■ पौष कृष्णा - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 172 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 16-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी जो भी कहते हैं, वह भारत को तोड़ने की दिशा में होता है : नड्डा

6 महिला सशक्तिकरण की दौड़ जीतती भारतीय रेलवे

4 ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य : भजनलाल शर्मा

फर्स्ट टेक

पांच प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करेगी मेटा

वाशिंगटन/एपी। सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इस साल अपने पांच प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने की योजना बना रही है। 'ब्लूमबर्ग न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, इसके तहत प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों को हटाया जाएगा और उनके स्थान पर नए कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, मेटा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक नोट में कहा कि वह 'प्रदर्शन प्रबंधन के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं और कम प्रदर्शन करने वालों को तेजी से बाहर निकालना चाहते हैं।' ब्लूमबर्ग ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार, मेटा में लगभग 72,000 कर्मचारी काम करते हैं। इस प्रकार, पांच प्रतिशत यानी लगभग 3,600 कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी।

बांग्लादेश के आयोग ने संविधान से धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद को हटाने का सुझाव दिया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में संविधान सुधार आयोग ने बुधवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और राष्ट्रवाद के राज्य सिद्धांतों को बदलने का प्रस्ताव दिया गया है। छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के चलते शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार द्वारा गठित आयोग ने देश के लिए द्विसदनीय संसद और प्रधानमंत्री के कार्यकाल को दो अवधि तक सीमित करने का भी प्रस्ताव रखा है। ये तीन सिद्धांत देश के संविधान में ''राज्य नीति के मूलभूत सिद्धांतों'' के रूप में स्थापित चार सिद्धांतों में से हैं। नए प्रस्तावों के तहत, केवल एक ''लोकतंत्र'' को अपरिवर्तित रखा गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता 16 फरवरी से शुरू होगी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश के बीच दो बार स्थगित हो चुकी महानिदेशक (डीजी) स्तर की वार्ता अब 16 फरवरी से दिल्ली में होने की उम्मीद है, जिसमें बाड़ लगाने और बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद घुसपैठ की कोशिशों में बढ़ोतरी का मुद्दा चर्चा का प्रमुख एजेंडा रहेगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल 16 से 19 फरवरी के बीच भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ इस द्विवार्षिक वार्ता में चर्चा करेगा। पिछले साल पांच अगस्त को शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली शीर्ष स्तरीय चर्चा होगी।

16-01-2025 सूर्यास्त 6:13 बजे | 17-01-2025 सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
76,724.08	23,213.20
(+224.45)	(+37.15)

सोना	चांदी
8,245 रु.	91,599 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदली हवा

दिनकर ने मकर राशि थामी,
संक्रांति काल का हुआ घोष।
मौसम ने ली करवट फिर से,
शारद का घटने लगा कोष।
उड़ चली पतंगें नभ छूने,
फागुन को आने लगा होश।
अब दिशा बदलने लगी हवा,
कफ जनित मिटेंगे व्याधि दोष।।

विकासवाद भारत की प्राथमिकता

सैन्य सामर्थ्य अधिक सक्षम बनाना भारत की प्राथमिकता : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 21वीं सदी के भारत का सैन्य सामर्थ्य अधिक सक्षम और आधुनिक होना उसकी प्राथमिकताओं में से एक है लेकिन इसका मकसद विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद की भावना है।

मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर 'ग्लोबल साउथ' में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत एक प्रमुख समुद्री शक्ति बन रहा है और दुनिया में एक विश्वसनीय और जिम्मेदार साझेदार के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा एक खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है।

मोदी ने आज के दिन को भारत की समुद्री विरासत, नौसेना के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए 'बहुत बड़ा दिन' करार देते हुए कहा, ''यह पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर (विध्वंसक), एक फ्रिगेट और एक पनडुब्बी को एक साथ नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा रहा है। गर्व की बात है कि ये तीनों मेड इन इंडिया हैं।''

फ्रिगेट, युद्ध के लिए इस्तेमाल होने वाले जहाज होते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य और दृष्टिकोण दिया था और आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नौसेना को सशक्त करने की तरफ एक बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा, ''21वीं सदी के भारत का सैन्य सामर्थ्य भी अधिक सक्षम और आधुनिक हो, यह देश की प्राथमिकताओं में से एक है। जल हो, थल हो, नभ हो, गहरे समुद्र हों या फिर असीम अंतरिक्ष हो, हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है। इसके लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं।''

■ नौसेना के तीन अग्रणी युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर को प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया

भारत की आध्यात्मिक संस्कृति सेवा की भावना से प्रेरित है

नवी मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति सेवा की भावना में गहराई से निहित है और उनकी सरकार एक दशक से अधिक समय से लोगों के कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से काम कर रही है। नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने शौचालयों का निर्माण, गरीबों के लिए घर और नागरिकों को एलपीजी कनेक्शन तथा चिकित्सा बीमा प्रदान करने जैसे कई कल्याणकारी उपाय शुरू किए हैं। उन्होंने कहा, ''सेवा की भावना धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक है। हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का मुख्य आधार सेवा की भावना है। भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से घिरा हुआ भूमि का एक टुकड़ा नहीं है। यह एक जीवंत भूमि है।

'प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने के प्रयासों को रोकने की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण कराए जाने पर बुधवार को चिंता व्यक्त करते हुए इसे संविधान और इसकी भावना के विपरीत बताया तथा इस तरह के ''नापाक'' मंसूबों को परास्त करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बिलासपुर में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने नक्सलवाद को विकास, खासकर आदिवासियों के कल्याण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा बताया। उन्होंने कहा कि इस समस्या को खत्म करने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''गुरु घासीदास ने सभी के बीच एकता, समावेश और समानता की भावना को मूर्त रूप दिया। उनके जैसे गुरुओं के कारण ही इस क्षेत्र का सामाजिक-सांस्कृतिक स्वरूप अपरिवर्तित रहा है...हमारा भारत, जहां आबादी का छठा हिस्सा निवास करता है, उनके जैसे राष्ट्रीय नायकों को पाकर धन्य है।''

उन्होंने कहा कि देश में महर्षि वाल्मीकि, भगवान बिरसा मुंडा, संत रविदास और ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुष हुए और उनमें से प्रत्येक एक ऐसे ऊंचे स्तंभ की तरह खड़ा है जिस पर समाज की इमारत खड़ी है। धनखड़ ने कहा कि यह सुखद है कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना में उनकी स्थिति को अब पहचाना जा रहा है।

धनखड़ ने कहा, ''यह चिंताजनक है कि समावेशिता की जिस स्वस्थ विचार प्रक्रिया के लिए वे खड़े थे, जिसके लिए वे जीते थे, जिसका उन्होंने प्रचार किया था, उसे कुछ ऐसे लोगों द्वारा चुनौती दी जा रही है जो धर्मांतरण के लिए प्रलोभन देकर बुनियादी सामाजिक स्थिरता को बाधित करना चाहते हैं। यह हमारी सभ्यतागत लोकाचार के लिए प्रतिकूल है।''

उन्होंने कहा, ''इससे ज़्यादा गंभीर बात और कुछ नहीं हो सकती कि ये गलत काम जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ने की एक विकसित रणनीति के तहत किए जा रहे हैं। हमें इन नापाक इरादों का प्रतिरोध और मुकाबला करने की ज़रूरत है क्योंकि इनमें हमारी समावेशिता और सभ्यतागत संपदा के लिए अस्तित्वगत चुनौतियों के रूप में उभरने की घातक क्षमता है।''

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा

'गलवान में जो कुछ हुआ, उसे दोहराया नहीं जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे (महाराष्ट्र)/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि उत्तरी सीमा पर स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील बनी हुई है। उन्होंने कहा कि ''गलवान में जो कुछ भी हुआ, उसे दोहराया नहीं जाना चाहिए''। उन्होंने कहा कि उनकी सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सक्षम है।

यहां 77वें सेना दिवस समारोह में अपने संबोधन में सेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि उत्तरी सीमा पर आधुनिक उपकरण और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने यहां 77वें सेना दिवस समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि गलवान में जो कुछ हुआ, उसकी पुनरावृत्ति नहीं हो।''

सेना प्रमुख ने कहा, ''चाहे कूटनीतिक प्रयास हो या सैन्य प्रयास या यहां तक कि गृह मंत्रालय, सीएपीएफ (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल) प्रयास के संदर्भ में हम सभी को इस मुद्दे पर एकजुट होना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में हमारे सामने अचानक इस तरह की स्थिति नहीं आए।''

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उस वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

उत्तरी सीमा पर स्थिति के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''उत्तरी सीमाएं सुरक्षित हैं, क्योंकि भारतीय सेना वहां आवश्यक तैनाती के साथ मौजूद है।''

हाल में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की गश्त एवं विवादित स्थान से पीछे हटने को लेकर एक समझौता हुआ, जो चार साल से जारी गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

यह कदम पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, क्योंकि गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प दशकों में दोनों पक्षों के बीच हुआ सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था।

आबकारी नीति मामले में

अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए ईडी को मिली मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने केजरीवाल (56) को पिछले साल मार्च में गिरफ्तार करने के बाद यहां विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। इस मामले में फिलहाल जमानत पर बाहर केजरीवाल यहां नई दिल्ली सीट से दिल्ली का विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय (एमएचए) ने हाल में दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल पर धन शोधन निरोधक कानून के तहत मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय को आवश्यक मंजूरी दे दी है।

यात्री वाहनों के लिए मासिक, वार्षिक टोल पास पर विचार कर रही है सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रही है, क्योंकि कुल वसूली में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि टोल संग्रह बूथ गांवों के बाहर स्थापित किए जाएंगे ताकि ग्रामीणों की आवाजाही में बाधा न आए। मंत्री ने कहा, टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक वाहनों से आता है। हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल टोल संग्रह में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है, इसलिए सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा।

गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरुआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली वर्तमान टोल संग्रह प्रणाली से बेहतर होगी।

पिछले साल जुलाई में गडकरी ने कहा था कि जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 के बेंगलुरु-मैसुरु खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। इस कदम का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा के लिए सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लेना है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरुआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड रह गया है।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई से जुड़े समझौते पर सहमति बनी

दोहा/एपी। इजराइल और हमास ने गाजा में 15 महीने से जारी विनाशकारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्ष विराम समझौते को लेकर सहमति जताई है। मध्यस्थों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही दो चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध खत्म होने की संभावना बढ़ गई है।

कतर की राजधानी दोहा में कई हफ्तों की बातचीत के बाद हुए इस समझौते में हमास की ओर से चरणबद्ध तरीके से बंधकों की रिहाई, इजराइल में सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में विस्थापित हजारों लोगों को वापस लौटने की अनुमति देना शामिल है। समझौते के तहत, क्षेत्र में अत्यंत आवश्यक मानवीय सहायता भी पहुंचाई जाएगी।

अमेरिका के तीन अधिकारियों और हमास के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि समझौता हो गया है। दोहा में मध्यस्थों द्वारा आधिकारिक घोषणा से पहले सौदे की रूपरेखा पर चर्चा करने वाले तीनों अमेरिकी अधिकारियों ने निजी रूप से यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन बृहस्पतिवार को समझौते के सिलसिले में संबोधन की तैयारी कर रहे हैं। समझौते को अभी इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत होगी, लेकिन आने वाले दिनों में समझौते के प्रभावी होने की उम्मीद है। इस समझौते के तहत युद्ध को पहले, छह सप्ताह के लिए रोकने की उम्मीद है, जिसके साथ ही युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने पर बातचीत शुरू होगी। हमास ने सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमला कर दिया था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था।

रूस के मिसाइल हमले के बाद

यूक्रेन में बड़े पैमाने पर बिजली कटौती

कीव/एपी। रूस ने बुधवार को यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिसके कारण देश को एहतियातन बिजली कटौती करना पड़ा। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने यह जानकारी दी। ऊर्जा मंत्री हरमन हलुशेंको ने 'फेसबुक' पर लिखा, ''दुश्मन ने यूक्रेनवासियों को आतंकित करना जारी रखा है।'' उन्होंने निवासियों से आग्रह किया कि वे मौजूदा खतरे के दौरान आश्रय स्थलों में रहें और आधिकारिक अद्यतन सूचना के मुताबिक कदम उठाएं। सरकारी ऊर्जा कंपनी उक्रेनेर्गो ने खारकीव, सुमी, पोल्टावा, जापोरिज्ज़िया, निप्रॉपेट्रोस और किरोवोहराद क्षेत्रों में आपातकालीन बिजली कटौती की सूचना दी। कीव के मेयर एंड्री सदोवी ने कहा कि रूसी सेना ने बुधवार तड़के पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर मिसाइल हमले किए।

हम सिर्फ भाजपा, आरएसएस के खिलाफ नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' से भी लड़ रहे हैं : राहुल

■ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि भारत की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए बुधवार को चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए और कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद यह दावा भी किया कि भारत की चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है।

राहुल गांधी ने पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष स्थिति वाली लड़ाई लड़ रहे हैं। यदि आप मानते हैं कि हम सिर्फ भाजपा नामक राजनीतिक संगठन और आरएसएस के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो ऐसा नहीं है। ....क्योंकि उन्होंने हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर लिया है।'' उन्होंने कहा, ''हम सिर्फ भाजपा नामक राजनीतिक संगठन और आरएसएस से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' से भी लड़ रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि महाराष्ट्र चुनाव में कुछ गलत हुआ है। हम चुनाव आयोग के काम करने के तरीके से असहज हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच अचानक करीब एक करोड़ नये मतदाताओं का सामने आना समस्या की बात है।''

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मतदान करने वालों के नाम और पते के साथ मतदाता सूची उपलब्ध कराना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उसने यह जानकारी देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सवाल किया, ''चुनाव आयोग मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने से क्यों इनकार करेगा? हमें सूची न देकर किस उद्देश्य की पूर्ति होती है और वे इसे क्यों रोके हुए हैं?''

राहुल गांधी के अनुसार, पारदर्शिता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का कर्तव्य है और यह बताना उनकी पवित्र ज़िम्मेदारी है कि ऐसा क्यों हुआ है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह ऐसी बात है जिसे हर कांग्रेसी और हर विपक्षी सदस्य को ध्यान में रखना चाहिए। हमारी चुनाव प्रणाली में एक गंभीर समस्या है।

संक्रांति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संक्रांति : बेंगलूरु में मकर संक्रांति के प्रसंग पर रामनगर के निकट स्थित विमला मोती गौशाला में गौप्रेमी एवं मारुति मेडीकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत व सुरक्षा मुणोत ने गौपूजन किया। उन्होंने उपस्थित सभी को संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गाय ने हमेशा मानव जाति को दिया ही दिया है आज मानव जाति का कर्त्तव्य है कि वह उसकी सेवा करे।

कामना जैन बनी जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी की पहली महिला अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी ने अपना 35वां वार्षिक स्थापना एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। इस मौके पर संस्था की पहली महिला अध्यक्ष के रूप में कामना जैन, सचिव कमलेश भंडारी, कोषाध्यक्ष कार्तिक सोनेगरा एवं अन्य उपाध्यक्ष एवं निदेशक को शपथ ग्रहण करवाई गई। इस कार्यक्रम में 120 सदस्यों ने भाग लिया। शपथ अधिकारी जयचंद बाफना, इंडक्शन अधिकारी शाबाज़ शेख और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मिसेज इंडिया कर्नाटक 2023 स्नेहा श्रीधर शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित थे। रतन सालेचा ने नए सदस्यों को ओरिएंटेशन का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष(ग्रोथ एंड डेवलपमेंट) शुभम भंडारी, उपाध्यक्ष(एलओएम) गजेंद्र दवे और डिंपल कानूंगा आदि उपस्थित थे।

निर्मला सीतारमण ने आरएसएस और भाजपा पर टिप्पणी के लिए साधा राहुल गांधी पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर उनकी उस टिप्पणी के लिए निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष न केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नामक राजनीतिक संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), बल्कि 'इंडियन स्टेट' से भी लड़ रहा है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि राहुल गांधी फिर अक्सर भारतीय संविधान की प्रति को अपने हाथ में लेकर क्यों घूमते हैं।

राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''संविधान की शपथ लेने वाले नेता प्रतिपक्ष अब कह रहे हैं कि अब हम भाजपा, आरएसएस और 'इंडियन स्टेट' से लड़ रहे हैं।'' उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, ''फिर, कांग्रेस और राहुल गांधी, आप अपने हाथ में संविधान की प्रति लेकर क्यो घूमते रहते हैं?''

सीरवी समाज बलेपेट ने पाली सांसद पी.पी. चौधरी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बलेपेट स्थित सीरवी भवन में राजस्थान से आए पाली सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.पी. चौधरी का सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट की ओर से सम्मान किया गया। संस्था के सहसचिव भंवरलाल गेहलोत ने पीपी चौधरी से समाज के लोगों के लिए 'जाति प्रणाम पत्र' बनाने की व्यवस्था के लिए अनुरोध किया। पीपी चौधरी ने समाजहित के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, सहकोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम पंवार, कार्यकारिणी सदस्य शेषाराम भायल, शेषाराम सैणचा, राजूराम बर्फा, मांगीलाल चोयल, जगदीश चोयल, पूर्व अध्यक्ष हेमाराम पंवार, पूर्व सचिव ओमप्रकाश बर्फा, पंचायत समिति सदस्य पुनाराम भायल, हेमंत चौधरी आदि मौजूद रहे।

मोदी ने सूखे से जूझ रहे उत्तर गुजरात में पानी पहुंचाया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए विभिन्न योजनाओं को लागू किया, जिससे राज्य के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पानी पहुंचा।

शाह ने गांधीनगर जिले के मनसा तालुका के अंबोद गांव में 241 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद यह टिप्पणी की। इन परियोजनाओं में अंबोद में महाकाली माता मंदिर में एक कृत्रिम झील, एक चेक बांध और एक बैराज शामिल है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान जो योजनाएं शुरू कीं, उनसे उत्तरी गुजरात में भूजल स्तर बढ़ाने और पीने के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र भाई ने राज्य की प्यास बुझाने का काम किया। जब मैं 1997 में पहली बार विधायक बना, तो उत्तर गुजरात के सभी विधायक बोरवेल के लिए अनुमति मांगते थे, लेकिन यह अनुमति नहीं मिलती थी, क्योंकि यह क्षेत्र एक 'डार्क जोन' था। यहां भूजल स्तर 1,200 फीट से नीचे चला गया था।

गृह मंत्री ने दावा किया कि मोदी ने नर्मदा बांध परियोजना में कांग्रेस की ओर से पैदा की गई अड़चनों से निपटते हुए इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने कहा, मोदी ने नर्मदा योजना को पूरा करने के लिए संघर्ष किया और कांग्रेस द्वारा पैदा की गई अड़चनों पर पार पाया। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद नर्मदा बांध पर गेट लगाने का काम भी पूरा हो गया और आज इसका पानी हर घर तक पहुंच गया है। शाह ने कहा कि मोदी ने समुद्र में बहकर आने वाले बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए भी काम किया और इसे गुजरात की 9,000 झीलों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि मोदी ने सौराष्ट्र के हर गांव तक पानी पहुंचाने के लिए 'सौनी योजना' की कल्पना की। गृह मंत्री ने कहा, उत्तर गुजरात में पानी के संकट के चलते लोग चिंतित थे। मोदी ने इस क्षेत्र के लोगों को राहत देने के लिए सुजलाम सुफलाम योजना पेश की। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी के अतिरिक्त पानी को झीलों में प्रवाहित करके और साबरमती नदी पर 14 बांध बनाकर मोदी ने उत्तर गुजरात में भूजल स्तर बढ़ाने में मदद की।

भारत दो माह में 20% एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगा: गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत अगले दो माह में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगा। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण का चलन 2001 में एक प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) के रूप में शुरू हुआ था। गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा, हम अगले दो महीनों में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे। ई20 (20 प्रतिशत एथनॉल वाला पेट्रोल) के इस्तेमाल से प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर्स ने 100 प्रतिशत जैव-एथनॉल पर चलने वाले वाहनों का विनिर्माण शुरू कर दिया है। गडकरी ने कहा कि देश में प्रदूषण एक गंभीर समस्या है क्योंकि दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 42 भारत में हैं। उन्होंने कहा, हम 22 लाख करोड़ रुपए का जीवाश्म ईंधन आयात करते हैं। इससे भी प्रदूषण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2023 में 20 प्रतिशत एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल पेश किया था। इसमें पहले चरण में 15 शहरों को शामिल किया गया था।

डल्लेवाल के समर्थन में 111 किसान आमरण अनशन पर बैठे

चंडीगढ़/भाषा। अपनी मांगों के प्रति उदासीन रवैया अपनाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए 111 किसानों के एक समूह ने अपने नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के साथ एकजुटता दिखाते हुए बुधवार को आमरण अनशन शुरू किया। इस बीच डल्लेवाल का अनिश्चितकालीन अनशन 51वें दिन में प्रवेश कर गया। प्रदर्शनकारी किसानों ने डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि लंबे समय तक अनशन के कारण 70 वर्षीय डल्लेवाल के ''कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं''। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल पिछले साल 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। किसान अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। डल्लेवाल ने अपने अनशन के दौरान किसी भी प्रकार की चिकित्सीय सहायता लेने से इनकार कर दिया है, जिसके कारण उनका स्वास्थ्य और खराब हो गया है।

साधुमार्गी जैन संघ द्वारा जीवदया के तहत गौशालाओं में दिया अर्थ सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां साधुमार्गी जैन संघ के तत्वावधान में आचार्य रामेश के सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव के महत्तम महोत्सव के अंतर्गत कोरमंगला स्थित अखिल कर्नाटक प्राणी दया संघ गौशाला के प्रांगण में जीवदया प्रकल्प का आयोजन किया गया।

संघ के मंत्री महावीरचंद चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। गौशालाओं के पदाधिकारियों को संघ की ओर से सहयोग राशि भेंट की गई। साथ ही अखिल कर्नाटक दया संघ, मैसूर पिंजरापोल सोसाइटी, पद्मावती प्राणी दया ट्रस्ट विजयपुरा, ऋषभ कामधेनु गौशाला कनकपुरा रोड, शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन कबूतर दाना सेवा समिति राजाजीनगर, इंद्रभूति गौतम जीवदया ट्रस्ट कस्तूरबा रोड, चन्द्रप्रभुस्वामी जैन गौशाला ट्रस्ट बुदिहाल तुमकुर रोड, जीवदया गौशाला होसकोटे एवं अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा संचालित आदिनाथ पशु रक्षा संगठन कानोड़ को जीवदया एवं गौ सेवा हेतु राशि भेंट की गई। संघ अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी ने संघ सदस्यों के सहयोग हेतु आभार जताया। साधुमार्गी संघ के निवर्तमान मंत्री अशोक जैन ने गौशालाओं द्वारा की जा रही गौ सेवा एवं गौ रक्षा कार्यों की सराहना की। संघ के कोषाध्यक्ष सुशील बरमेचा ने सभी को धन्यवाद दिया। माणकचंद बोथरा ने समता शाखा एवं कुलदीप नंदावत ने संघ द्वारा गौशालाओं के सहयोग कार्यक्रम का संचालन किया।

गौशालाओं के प्रतिनिधियों को संघ की ओर राशि सौंपी गई। संघ सदस्यों ने गौशाला में अपने हाथों से गायों एवं बछड़ों को चारा, गुड़ एवं ककड़ी खिलाई। इस अवसर पर समता महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता खींवसरा, कोषाध्यक्ष प्रियंका कोठारी, समता युवा संघ के अध्यक्ष हर्षुल सोनी, मंत्री मोहित रांका सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

एलएंडटी प्रमुख के 90 घंटे काम वाली टिप्पणी से सहमत नहीं: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एस.एन. सुब्रह्मण्यन के 90 घंटे काम वाली हालिया टिप्पणी को लेकर बुधवार को उन पर कटाक्ष किया और कहा कि वह उनकी इस बात से सहमत नहीं हैं।खरगे ने पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी का उल्लेख किया।

सुब्रह्मण्यन की टिप्पणियों से इन दिनों सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने सप्ताह में 90 घंटे काम करने की वकालत की और सुझाव दिया कि कर्मचारियों को रविवार को भी छुट्टी नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने यह सवाल भी किया था, ''आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक निहार सकते हैं।'' खरगे ने सुब्रमण्यन की टिप्पणी को लेकर कहा, ''मैं कंपनी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन कंपनी के सीईओ ने कहा कि 90 घंटे काम करना चाहिए। इस बात को मैं नहीं मानता हूं। ऐसे लोग भी हैं... मजदूर आठ घंटे काम करता है तो थक जाता है। इसीलिए पं. जवाहर लाल नेहरू और बाबासाहेब आंबेडकर ने फैक्टरी कानून बनाते समय कहा था कि रोजाना आठ घंटे से ज्यादा काम नहीं होगा... लेकिन यह तो 12 और 14 घंटे काम की बात कर रहे हैं।'' उन्होंने कांग्रेस के मुख्यालय के निर्माण कार्य में लगे कंपनी के श्रमिकों का आभार जताया।

सुरक्षा खतरे संबंधी खुफिया रिपोर्ट पर केजरीवाल ने कहा, ऊपरवाला बचाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खालिस्तान समर्थक एक समूह द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर हमले की साजिश रचने की खुफिया रिपोर्ट के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि ''ऊपरवाला उन्हें बचाएगा''। दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नई दिल्ली सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने अपनी जान को कथित खतरे के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा ''ऊपरवाला बचाएगा...।''

नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले केजरीवाल ने कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की और संवाददाताओं से कहा, ''जाको राखे साइयां मार सके न कोय। भगवान मेरे साथ हैं।'' खालिस्तान समर्थक संगठन से कथित खतरे के बारे में पूछे जाने पर हाथों की रेखाएं दिखाते हुए उन्होंने कहा, ''जब तक लाइफलाइन (जीवन रेखा) है वह जिंदा रहेंगे और जिस दिन लाइफलाइन खत्म हो जाएगी उस दिन ऊपर वाला उठा लेगा।'' दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने कहा कि वे खतरों के मद्देनजर केजरीवाल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे।

सरकार 125 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर जीएसटी को 18% करे : निरंजन

नई दिल्ली/भाषा। अग्रणी दोपहिया विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निरंजन गुप्ता ने बुधवार को 125 सीसी तक की क्षमता वाले दोपहिया वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती की मांग करते हुए कहा कि ये वाहन देश में आम जनता के लिए परिवहन का विकल्प हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को दीर्घकालिक वृद्धि, स्थिरता और निवेश के रास्ते पर चलना आगे भी जारी रखना चाहिए। गुप्ता ने आगामी केंद्रीय बजट से जुड़ी उम्मीदों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो जीएसटी केंद्रीय बजट का विषय नहीं है। लेकिन इसके साथ मैं यह भी कहूंगा कि खासकर 125 सीसी तक के दोपहिया वाहनों पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने का एक मजबूत मामला बनता है। इसकी वजह यह है कि ये आम लोगों के वाहन हैं।''

बेंगलूरु के स्टार्टअप ने सर्वाधिक रिजॉल्यूशन वाले वाणिज्यिक उपग्रहों का प्रक्षेपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के 'स्टार्टअप पिक्सल' ने बुधवार को कैलिफोर्निया के 'वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस' से दुनिया के सर्वाधिक रिजॉल्यूशन वाले तीन वाणिज्यिक हाइपरस्पेक्ट्रल' उपग्रहों का प्रक्षेपण किया।

'फायरफ्लाई' उपग्रहों को एक्सोलॉन्च के माध्यम से एकीकृत किया गया और 'स्पेसएक्स' के साथ 'ट्रांसपोर्टर-12' मिशन पर देर रात लगभग एक बजे प्रक्षेपित किया गया। 'पिक्सल' ने बेंगलूरु में अपने मुख्यालय में स्क्रीन लगाकर प्रक्षेपण का सीधा प्रसारण दिखाया।

स्टार्टअप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवैस अहमद ने बताया कि पहले तीन उपग्रहों के प्रक्षेपण के साथ, 'पिक्सल' अब जलवायु और पृथ्वी के संबंध में अधिक सटीक जानकारी प्रदान करने में सक्षम होगा।

उन्होंने कहा कि 'फायरफ्लाई' का प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह देश का पहला वाणिज्यिक उपग्रहों का समूह है।

मंगलूरु में डीजल की चोरी व भंडारण के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में पुलिस ने डीजल चोरी करके उसका अवैध भंडारण करने वालों के खिलाफ छापेमारी करके चार अपराधियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से लगभग 1700 लीटर डीजल एवं पेट्रोल बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाला ग्राम में छापेमारी की और आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संतोष (42) मिनेज (36) नारायण (23) और और रवि जनेंद्र (59) के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी से एकत्रित किये गए 1,685 लीटर डीजल, 20 लीटर पेट्रोल व अन्य सामान और आरोपियों के चार मोबाइल जब्त किए।

केजरीवाल चुनाव हार रहे हैं, इसलिए ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे हैं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को गिरफ्तार किए जाने और पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने सहित आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल के कई दावों का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि वह अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने 'विश्वसनीय सूत्रों' का हवाला देते हुए दावा किया कि केजरीवाल विपक्ष के नेता के लिए अमानतुल्ला

खान और नरेश बाल्यान के नाम पर विचार कर रहे हैं क्योंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिलना तय है। पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि खान हिंदुओं से नफरत करते हैं, रोहिंग्या का समर्थन करते हैं और यही कारण है कि केजरीवाल उन्हें बहुत पसंद करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आप प्रमुख बाल्यान को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि वह 'जबरन वसूली' में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के पास दिल्ली में आप सरकार के काम को दिखाने के लिए कुछ नहीं है क्योंकि वह हर घर पाइप से जलापूर्ति, यमुना साफ करने और सड़क, स्कूल और अस्पताल बनवाने के वादे पूरे करने में नाकाम रहे हैं। भाटिया ने कहा कि यही कारण है कि उन्होंने ध्यान भटकाने की रणनीति के तहत आतिशी को गिरफ्तार किए जाने जैसे दावे किए और यह दावा भी कर दिया कि भाजपा मतदाताओं के बीच सोने की चेन बांट रही है। भाटिया ने दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से हारना तय है।

सेना दिवस परेड समारोह को छोटे शहरों तक ले जाने की योजना: जनरल द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि वे सेना दिवस परेड कार्यक्रम को छोटे शहरों में ले जाने की योजना बना रहे हैं और संभावित आयोजन स्थलों के रूप में गुवाहाटी, जबलपुर, जयपुर और भोपाल को चुना गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना में नारी शक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनरल द्विवेदी महाराष्ट्र के पुणे में 'बॉम्बे इंजीनियरिंग ग्रुप (बीईजी) एंड सेंटर' में आयोजित सेना दिवस परेड के मौके पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। यह सेंटर सेना की दक्षिणी कमान के अंतर्गत आता है।

भारतीय सेना दिवस हर साल 15 जनवरी को देश के सशस्त्र बलों और उनके द्वारा दिए गए बलिदानों के सम्मान में मनाया जाता है।

एक सवाल के जवाब में जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना दिवस परेड समारोह को छोटे शहरों तक ले जाने की योजना है। उन्होंने कहा, ''हमने गुवाहाटी, जयपुर, भोपाल और जबलपुर को चुना है।

बुधवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने नए कर्नाटक भवन का अवलोकन किया। गौरतलब है कि जनवरी के अंतिम सप्ताह में इस भवन का शुभारंभ होने की उम्मीद है।

आज बैठक में नहीं होगा फैसला

जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर दुविधा में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश न करने का अपना फैसला आखिरी समय में बदल दिया है। गुरुवार सुबह होने वाली कैबिनेट बैठक में सामाजिक एवं शैक्षिक रिपोर्ट पेश करने का एजेंडा शामिल किया गया था। दिल्ली में राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर पार्टी नेताओं की सलाह पर उन्होंने अपना निर्णय स्थगित कर दिया है। वोक्कालिगा और लिंगायत सहित कई समुदायों ने सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण जाति जनगणना रिपोर्ट पर विरोध व्यक्त किया है।

केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार, जो उपमुख्यमंत्री भी हैं, ने पार्टी नेताओं को सूचित किया था कि यदि रिपोर्ट को लागू किया गया तो इसका राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उन्हें ऊंची जातियों का सामना करना पड़ेगा। नए कांग्रेस भवन के उद्घाटन के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी सहित पार्टी नेताओं से अलग-अलग मुलाकात और बातचीत की है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने नेतृत्व मुद्दे, प्रदेश कांग्रेस और सरकार में पक्ष-विपक्ष की स्थिति और शैक्षिक सर्वेक्षण के संबंध में शीर्ष नेतृत्व को एक रिपोर्ट सौंपी है। इसके बाद शिवकुमार ने कल रात एआईसीसी अध्यक्ष से मुलाकात की और बताया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद, रात्रिभोज बैठकें और सिद्दरामय्या द्वारा गुरुवार को कैबिनेट बैठक में शिक्षा रिपोर्ट पेश करने की मंशा पार्टी को दुविधा में डाल देगी।

खड़गे ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था कि वे रिपोर्ट के क्रियान्वयन पर उन्हें सलाह दें, जिसका पार्टी पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कुछ बदलाव किए जाने चाहिए और फिर उन्हें लागू किया जाना चाहिए, लेकिन इसमें जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। बाद में सोनिया गांधी से मुलाकात के दौरान शिवकुमार ने उन्हें इसी मुद्दे से अवगत कराया और उनसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। इस घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं ने सिद्दरामय्या को बुलाया और उन्हें अकादमिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का कार्यक्रम स्थगित करने की सलाह दी। अपने वरिष्ठों की सलाह के आगे झुकते हुए मुख्यमंत्री ने न केवल अपना निर्णय पलट दिया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि यह मामला अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा और उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आज नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए जाति जनगणना रिपोर्ट के कार्यान्वयन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली में उद्घाटन के लिए तैयार कन्नड़ भवन का अवलोकन किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण उत्कृष्ट थे। उन्होंने कहा कि जिस भवन की आधारशिला पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में रखी गई थी, उसका आज पूर्ण सुसज्जित भवन के रूप में उद्घाटन किया गया है।

मंत्री सतीश जारकीहोली के इस सुझाव पर कि केपीसीसी अध्यक्ष को बदला जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि उनका निर्णय अंतिम है। केओनिक्स एसोसिएशन द्वारा भुगतान न किए गए बिलों के संबंध में राज्यपाल को दी गई शिकायत के जवाब में कहा गया कि पिछली भाजपा सरकार ने बड़ी मात्रा में बिलों का भुगतान नहीं किया था। उन्होंने कहा कि इन बिलों का भुगतान चरणबद्ध तरीके से करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

न्यायालय ने एमयूडीए घोटाला मामले में लोकायुक्त को जांच जारी रखने का आदेश दिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लोकायुक्त को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से जुड़े कथित भूखंड आवंटन घोटाले की जांच जारी रखने की बुधवार को अनुमति दे दी। अदालत ने निर्देश दिया कि जांच की निगरानी लोकायुक्त पुलिस के महानिरीक्षक द्वारा की जाए और भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी को अब तक की अपनी जांच के विस्तृत रिकॉर्ड को अदालत में पेश करने के निर्देश दिए।

कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले की सीबीआई जांच के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया गया। याचिकाकर्ता ने उच्च पदस्थ अधिकारियों और नेताओं की संलिप्तता को देखते हुए लोकायुक्त जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। अदालत ने कहा, ''लोकायुक्त को अब तक की जांच के सभी विवरण रिकॉर्ड में रखे जाने चाहिए। जांच की निगरानी लोकायुक्त के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा की जाएगी। कोई भी रिपोर्ट अगली सुनवाई से एक दिन पहले प्रस्तुत की जानी चाहिए।'' अदालत ने अगली सुनवाई 27 जनवरी के लिए निर्धारित की। याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए स्वतंत्र जांच की वकालत की और इस बात का हवाला दिया कि महत्वपूर्ण मामले के रिकॉर्ड कथित तौर पर नौकरशाहों द्वारा ले लिए गए थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पत्रकार सहकारी समिति का कैलेंडर जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक जर्नलिस्ट्स कोऑपरेटिव एसोसिएशन का वर्ष 2025 कैलेंडर संक्रांति के दिन मंगलवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने जारी किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, जिन्होंने मुख्यमंत्री गृह कार्यालय कावेरी में कैलेंडर जारी किया, ने दावा किया कि एसोसिएशन ने 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उन्होंने पत्रकार सहकारी समिति के सभी निदेशकों को संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

कर्नाटक जर्नलिस्ट्स कोऑपरेटिव सोसाइटी की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। लेकिन उन्होंने कहा कि मुझे कुछ समय दीजिए। उन्होंने कहा कि बजट को लेकर वह थोड़ा व्यस्त हैं। वहीं, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, भारी उद्योग मंत्री एमबी पाटिल और विधायक रघुमूर्ति ने भी पत्रकार सहकारी संघ को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर पत्रकार सहकारी संघ के अध्यक्ष एम. रमेश पाल्या, उपाध्यक्ष डोड्डा बोम्मैया, कोषाध्यक्ष बी. मोहन कुमार, विनोद कुमार बी. नाइक, रमेश हिरेजांबुरु, के. परमेश्वर, आनंद बैदानमाने, पीएस कृष्णकुमार, नयना और एसोसिएशन के सभी निदेशक, सचिव केम्पराजू उपस्थित थे।

कन्नड़ अभिनेता विजय कुमार का निधन

बेंगलूरु। कन्नड़ अभिनेता आर. विजय कुमार का बुधवार को निधन हो गया। आर. विजय कुमार को उनके रंगमंच नाम 'सारिगामा विजी' के नाम से भी जाना जाता था। वह 77 वर्ष के थे। आर. विजय कुमार के बेटे रोहित ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके पिता फेफड़े में संक्रमण की समस्या से पीड़ित थे और उनका मल्लेश्वरम स्थित मणिपाल अस्पताल में इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा, जब वह बीमार पड़े तो हमने सोचा कि यह मौसमी संक्रमण है। लेकिन, पिछले सात दिनों में स्थिति बिगड़ती चली गई और आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई।

विजी ने 1975 में कन्नड़ फिल्म 'बेलुवलदा मदिलल्ली' में बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कन्नड़ में 269 फिल्मों में अभिनय किया और करीब 80 फिल्मों में सहायक निर्देशक के तौर पर भी काम किया।

यूजीसी को नियमों में बदलाव का प्रस्ताव लाने से पहले राज्य सरकारों से बातचीत करनी चाहिए थी : सुधाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एम. सी. सुधाकर ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम-2025 के हाल ही में प्रकाशित मसौदे को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया है। सुधाकर ने कहा है कि यूजीसी को किसी भी बदलाव का प्रस्ताव करने से पहले राज्य सरकारों के साथ बातचीत करनी चाहिए थी। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति तथा पदोन्नति के लिए न्यूनतम योग्यताएं तथा उच्च शिक्षा विनियमों में मानकों के रखरखाव के उपायों के लिए अपने मसौदे पर सार्वजनिक परामर्श का आह्वान किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, मसौदा दिशानिर्देशों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों को अपने संस्थानों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में लचीलापन प्रदान करना है।

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर ने 13 जनवरी को लिखे पत्र में कहा कि राज्य सरकार कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित कुछ प्रावधानों का कड़ा विरोध करती है। इन प्रावधानों को लेकर उन्होंने कहा कि ये (प्रावधान) उच्च शिक्षा प्रणाली और राज्य सरकार की शक्तियों पर प्रहार हैं।

मंत्री के अनुसार, मसौदा दिशानिर्देशों में प्रावधान किया गया है कि विश्वविद्यालय के कुलपति के चयन में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मंत्री ने कहा, दिशानिर्देशों में कुलाधिपति/विजिटर द्वारा नियुक्त एक खोजबीन-सह-चयन समिति का प्रावधान है, जिसमें राज्य सरकार का कोई नामित सदस्य नहीं होगा। इस समिति द्वारा अनुशंसित पैनल में से कुलपति की नियुक्ति करने का अधिकार केवल कुलाधिपति/विजिटर को दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुलपति की नियुक्ति के लिए आवश्यक योग्यता पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श की आवश्यकता है, क्योंकि मसौदा नियमावली में इस पद के लिए गैर-शिक्षाविदों की नियुक्ति पर भी विचार किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि मसौदे के अनुसार, यदि कुलपति की नियुक्ति इन दिशा-निर्देशों के अनुसार नहीं की जाती है, तो नियुक्ति अमान्य हो जाएगी। उन्होंने कहा, यह राज्य में विश्वविद्यालयों को नियंत्रित करने वाले कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करेगा, जिसमें कुलपतियों के कार्यकाल और पुनर्नियुक्ति से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उच्च शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने यह भी कहा कि यूजीसी को मौजूदा दिशा-निर्देशों में किसी भी आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव करने से पहले राज्य सरकारों के साथ बातचीत करनी चाहिए थी। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि यूजीसी को मसौदा दिशा-निर्देशों को तुरंत वापस लेने और राज्य सरकारों के साथ व्यापक परामर्श करने के निर्देश दिए जाएं।

बारह दिवसीय लालबाग फल-पुष्प प्रदर्शनी आज से

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की अवधारणा से आधारित है प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रसिद्ध लालबाग में लगने वाली इस वर्ष गणतंत्र दिवस फल पुष्प प्रदर्शनी कर्नाटक सरकार के खान एवं भूविज्ञान एवं बागवानी मंत्री एस.एस. मल्लिकार्जुन के मार्गदर्शन में बागवानी विभाग द्वारा 'आदिकवि महर्षि वाल्मीकि' की अवधारणा के तहत 16 से 27 जनवरी तक 12 दिनों के लिए आयोजित की जा रही है।

लालबाग के ग्लास हाउस में लगने वाली 217वें गणतंत्र दिवस विशेष पुष्प प्रदर्शनी के तहत आयोजित 'आदिकवि महर्षि वाल्मीकि' की अवधारणा के तहत, ग्लास हाउस के अंदर निम्नलिखित मुख्य आकर्षण डिजाइन किए गए हैं। इस प्रदर्शनी में कुल 1.75 लाख से अधिक विशेष फूल और पत्ती वाले पौधे प्रदर्शित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे, जिसे ग्लास हाउस के प्रवेश द्वार पर फूलों के गमलों के बीच रखा जा रहा है।

लगभग 317 फूल, फल प्रदर्शक इस प्रदर्शनी में भाग लेंगे। प्रदर्शनी में प्रत्येक व्यस्क के लिए 80 रुपए प्रवेश शुल्क रखा गया है वहीं रविवार और अन्य सरकारी छुट्टी के दिन 100 रुपए लिए जाएंगे। वहीं बच्चों के लिए सभी दिनों के लिए 30 रुपए प्रवेश शुल्क रहेगा। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात्रि 7 बजे तक सभी के लिए दर्शनीय होगी।

ज़मीर अहमद खान ने तीन गायें भेंट कीं

बेंगलूरु। चामराजपेट के विनायक नगर में तीन गायों के हानि पहुंचाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, मंत्री ज़मीर अहमद खान ने 3 लाख की तीन गायें खरीदकर गाय के मालिक कर्ण की मां सावरी अम्मल और बहन अमुधा को सौंपीं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, केएमडीसी के अध्यक्ष अल्ताफ खान और नेता अतुश, गौसी, विनायक और प्रसाद शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, अमुधा ने कहा, मैं अपने भाई की ओर से माफी मांगती हूं। जमीर अन्ना ने ये गायें भेंट करके उदारता दिखाई है। कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम विधायक के साथ खड़े हैं।

कांग्रेस आलाकमान ने सरकार के नेतृत्व परिवर्तन पर नहीं बोलने का निर्देश दिया है : परमेश्वर

रणदीप सिंह सुरजेवाला, जो आलाकमान के प्रतिनिधि हैं, ने हमें किसी भी बदलाव के बारे में बात नहीं करने का निर्देश दिया है। इसलिए, हम इसका अनुपालन करेंगे। दलित के मुख्यमंती बनने संबंधी मंती आर बी तिम्मापुर के कथित बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए तथा यह भी संकेत करते हुए कि वह स्वयं एक दलित हैं, परमेश्वर ने कहा, वह (तिम्मापुर) भी सक्षम हैं, वह 30 वर्षों से अधिक समय से राजनीति में हैं।

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान के प्रतिनिधि के रूप में पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी में सभी को निर्देश दिया है कि वे राज्य में सरकार के नेतृत्व परिवर्तन के संबंध में कोई बयान नहीं दें। परमेश्वर ने कहा कि वह और अन्य नेता अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एस/एसटी) समुदायों के कांग्रेस नेताओं, मंत्रियों और सांसदों की एक बैठक के संबंध में अगले कदमों पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे, जिसे पिछले सप्ताह स्थगित कर दिया गया था।

मुख्यमंत्री परिवर्तन की संभावना के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, हमारे महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, जो आलाकमान के प्रतिनिधि हैं, ने हमें किसी भी बदलाव के बारे में बात नहीं करने का निर्देश दिया है। इसलिए, हम इसका अनुपालन करेंगे। दलित के मुख्यमंत्री बनने संबंधी मंत्री आर बी तिम्मापुर के कथित बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए तथा यह भी संकेत करते हुए कि वह स्वयं एक दलित हैं, परमेश्वर ने कहा, वह (तिम्मापुर) भी सक्षम हैं, वह 30 वर्षों से अधिक समय से राजनीति में हैं। परमेश्वर भी एक दलित हैं और मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी माने जाते हैं। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सत्ता को लेकर खींचतान के बीच, पार्टी नेतृत्व ने सोमवार को विधायक दल की बैठक के दौरान अपने सभी विधायकों को सार्वजनिक बयान नहीं देने का निर्देश दिया और इस बात पर जोर दिया कि सभी को आलाकमान के फैसलों का पालन करना चाहिए। इस बैठक में सुरजेवाला भी मौजूद थे। कांग्रेस विधायकों को यह संदेश ऐसे समय में आया है जब मंत्रियों समेत कई सदस्यों ने नेतृत्व परिवर्तन के बारे में मीडिया से खुलकर बात की है। जहां कुछ ने इसकी संभावना के संकेत दिए हैं, वहीं अन्य ने इस विचार को सिरे से खारिज किया है।

हाल ही में मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर सिद्दरामय्या के कैबिनेट के दलित और अनुसूचित जाति के चुनिंदा सहयोगियों के साथ रात्रिभोज ने कांग्रेस के भीतर हलचल पैदा कर दी है, क्योंकि मार्च में बजट पेश किए जाने के बाद राज्य में बारी बारी से ''मुख्यमंत्री'' के फॉर्मूले के तहत संभावित बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस तरह की सहमति कथित तौर पर 2023 में पार्टी की चुनावी जीत के बाद बनी थी क्योंकि

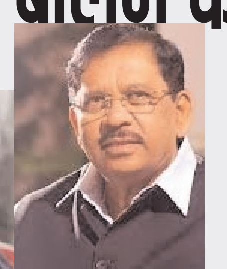

तब सिद्दरामय्या और डी के शिवकुमार दोनों मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। शिवकुमार अभी राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। शिवकुमार और उनके समर्थक इस फार्मूले के अनुरूप सिद्दरामय्या के पद छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं, वहीं पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री के समर्थक शिवकुमार को नेता के रूप में स्वीकार करने के मूड में नहीं हैं।

परमेश्वर से जब उनके नेतृत्व में पार्टी के एससी/एसटी नेताओं की बैठक स्थगित होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अब जब बैठक स्थगित हो गई है, तो हम चर्चा करेंगे और अगले कदम पर फैसला करेंगे। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से उन कथित निर्देशों के बारे में पूछे जाने पर कि मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एससी/एसटी समुदायों के नेताओं सहित समुदाय से संबंधित बैठकें प्रदेश कांग्रेस द्वारा ही आयोजित की जाएंगी, परमेश्वर ने कहा, उन्हें ऐसा करने दें। किसने मना किया? हमारे लिए, हमारे मुद्दों का समाधान होना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, क्या हम पार्टी नहीं हैं? क्या पार्टी हमसे अलग है? हम पार्टी हैं। अगर हम हैं, तो पार्टी है। 'हम' से मेरा मतलब जन समुदाय से है। कांग्रेस जन समुदाय द्वारा बनाई गई पार्टी है। कांग्रेस पार्टी एक आंदोलन है। इसलिए हम कहते हैं कि कांग्रेस कैडर-आधारित पार्टी नहीं है - यह एक आंदोलन है। जो कोई भी इसे अपने तरीके से व्याख्या करना चाहता है, करे।

परमेश्वर के नेतृत्व में 8 जनवरी की शाम को कांग्रेस के एससी/एसटी समुदाय से नेताओं, मंत्रियों और सांसदों की एक बैठक निर्धारित की गई थी, जिसे सुरजेवाला के निर्देशों के बाद स्थगित कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह शिवकुमार द्वारा 6 जनवरी की रात को नयी दिल्ली में कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल से मुलाकात के बाद हुआ। कांग्रेस के भीतर एक वर्ग का मानना है कि नियोजित एससी/एसटी सम्मेलन और परमेश्वर की उक्त बैठक दलित या एएचआईएनडीए (अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के लिए एक कन्नड़ संक्षिप्त नाम) नेता को अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग को पुनर्जीवित कर सकती है। अगर राज्य बजट के बाद सिद्धरमैया पद छोड़ देते हैं, तो यह शिवकुमार की संभावनाओं को जटिल बना सकता है, जैसा कि अनुमान लगाया गया था। मार्च तक राजनीतिक बदलाव की संभावना के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा, मुझे नहीं पता... मैं ज्योतिषी नहीं हूं। अगर मैं ज्योतिष में अच्छा होता, तो मैं कुछ कहता। सोमवार को मुख्यमंत्री और शिवकुमार द्वारा सुरजेवाला को सौंपी गई राज्य सरकार में 31 मंत्रियों के प्रदर्शन पर एक समेकित रिपोर्ट के आधार पर कैबिनेट फेरबदल की संभावना के बारे में उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता। जिन्होंने रिपोर्ट ली है, उन्हें टिप्पणी करनी चाहिए।

गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा कि ''उन्होंने अपने विभाग और अपने कामकाज पर भी रिपोर्ट सौंपी है। उन्होंने कहा, मैंने अपने विभाग के बारे में रिपोर्ट दे दी है। जिन लोगों को रिपोर्ट मिली है, उन्हें बताना होगा कि उन्होंने इसकी मांग क्यों की।'' सोमवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक के दौरान शिवकुमार और मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के साथ मंत्री सतीश जारकीहोली की कथित बहस के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा, ऐसा कुछ नहीं हुआ। बेलगावी में कांग्रेस कार्यालय के निर्माण के बारे में उन्होंने (जारकीहोली) शिवकुमार से कहा, मैंने भी पार्टी कार्यालय बनाने के लिए पैसे दिए हैं। कृपया मेरा नाम भी शामिल करें। केवल एक या दो नामों का उल्लेख क्यों?' इसके अलावा और कुछ नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक के दौरान जिलों में नये पार्टी कार्यालयों के निर्माण में पहल करने वाले मंत्रियों के महत्व पर जोर देते हुए कथित तौर पर बेलगावी में नये पार्टी कार्यालय के निर्माण में हेब्बालकर के प्रयासों का हवाला दिया।

प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार का लक्ष्य : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में राइजिंग राजस्थान के तहत ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं जिससे राज्य में ऊर्जा सुदृढ़ीकरण को गति मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति के लिए हुए इन विभिन्न एमओयू को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत ऊर्जा विभाग द्वारा हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को इन प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आए प्रत्येक निवेशक को राज्य में निवेश करने के लिए किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। यदि ऐसे प्रकरण सामने आते हैं तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जबावदेहिता तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रत्येक एमओयू की समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिमाह राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक की जाए जिससे राज्य में विद्युत सुदृढीकरण के काम में तेजी आ सके। साथ ही, मुख्यमंत्री कार्यालय को हर माह 11 व 26 तारीख को इस संबंध में प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी इन निवेशों के माध्यम से राज्य की राजस्व आय में बढ़ोतरी के लिए प्रयास करें।

शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भी ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन, आरई पार्क, हाइब्रिड प्रोजेक्ट ट्रांसमिशन, सीएनजी, विंड प्रोजेक्ट, थर्मल प्रोजेक्ट सहित विभिन्न सेक्टर्स में एमओयू हुए हैं। उन्होंने इन सेक्टर्स में हुए प्रत्येक एमओयू के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए जिससे सभी निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरें तथा आमजन को इसका लाभ मिले।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश, ओलावृष्टि का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच कई इलाकों में हल्की बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है। राज्य में बीते चौबीस घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस संगरिया में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से 15-16 जनवरी को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर व कोटा संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ कहीं कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान ओलावृष्टि भी हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार को सुबह तक बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। कई इलाकों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। कई जगह शीत दिवस दर्ज किया गया। इस दौरान, सबसे कम 3.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान संगरिया में दर्ज किया गया। सीकर में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री, पिलानी में 4.3 डिग्री, चूरू में 5.4 डिग्री, सिरोही में 5.7 डिग्री, फतेहपुर में 6.3 डिग्री, गंगानगर में 6.4 डिग्री, दौसा में 7.5 डिग्री, जैसलमेर में 8.5 डिग्री, फलोदी में 8.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में एक ही परिवार के चार लोगों के शव मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में एक धर्मशाला के कमरे में एक परिवार के चार लोग संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतकों में एक दंपति और उनका एक बेटा व एक बेटी शामिल हैं। यह परिवार उत्तराखंड के देहरादून का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार इस परिवार ने 12 जनवरी को समाधि वाली गली स्थित राम-कृष्ण आश्रम धर्मशाला में कमरा किराए पर लिया था। उन्हें 14 जनवरी को दोपहर में चेक आउट करना था। मंगलवार शाम को जब सफाई कर्मचारी कमरे के बाहर पहुंचा तो उसे कोई हलचल नहीं दिखी। बाद में दरवाजा नहीं खुलने पर कर्मचारियों ने दरवाजा तोड़ा तो चारों मृत मिले।

टोडा भीम के थानाधिकारी देवेंद्र शर्मा के अनुसार दो शव बिस्तर पर और दो कमरे में फर्श पर मिले। घटनास्थल पर किसी तरह की लड़ाई झगड़े के संकेत नहीं मिले है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम और विसरा रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

मृतकों की पहचान सुरेंद्र कुमार उपाध्याय (60), कमलेश (55), नितिन (32) और नीलम (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि देहरादून के रायपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

आसाराम अंतरिम जमानत मिलने के बाद जोधपुर में अपने आश्रम पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। स्वयंभू संत आसाराम 2013 के दुष्कर्म मामले में अंतरिम जमानत मिलने के बाद जोधपुर के पाल गांव में स्थित अपने आश्रम पहुंचा। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, वह पिछले कुछ दिनों से शहर के एक आयुर्वेद अस्पताल में भर्ती था और मंगलवार देर रात अपने आश्रम के लिए रवाना हुआ। आजीवन कारावास की सजा पाए स्वयंभू संत को राजस्थान उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दे दी थी। अधीनस्थ अदालत ने 2013 में अपने आश्रम में नाबालिग से दुष्कर्म करने के जुर्म में आसाराम को अप्रैल 2018 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

अंतरिम जमानत की खबर मिलने पर अस्पताल के बाहर आसाराम के अनुयायियों की भारी भीड़ जमा हो गई और बाहर आने पर उन्होंने आसाराम को माला पहनाई। आश्रम पहुंचने पर उसका जोरदार स्वागत भी किया गया। उसके वकील निशांत बोरा ने कहा कि इस जमानत अवधि के दौरान आसाराम अपनी इच्छानुसार जिस भी जगह चाहे इलाज कराने के लिए स्वतंत्र होगा। हालांकि, उसे जमानत की शर्तों का पालन करना होगा। पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय ने आसाराम को दुष्कर्म के एक अन्य मामले में 31 मार्च तक इसी तरह की राहत देते हुए कहा था कि वह कई बीमारियों से ग्रस्त है और उसे इलाज की जरूरत है।

अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस वे पर घने कोहरे के कारण आपस में भिड़े कई वाहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे पर सूरतगढ़ इलाके में बुधवार को घने कोहरे के कारण लगभग एक दर्जन वाहन आपस में टकरा गए। पुलिस के अनुसार हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि यह हादसा गंगानगर जिले के सूरतगढ़ के पास अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस वे पर हुआ। हादसे के कारण दो ट्रकों में आग लग गई, हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग ट्रकों में सवार दो लोगों को हनुमानगढ़ के पीलीबंगा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

घटना की सूचना मिलने पर राजियासर, पीलीबंगा और हनुमानगढ़ से पुलिस मौके पर पहुंची। आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया और वाहनों को हटाकर यातायात बहाल किया गया। इस दौरान करीब पांच घंटे तक सात किलोमीटर लंबे जाम में वाहन फंसे रहे।

पुलिस के अनुसार कोहरे के कारण एक्सप्रेसवे पर ठेठार (सूरतगढ़) गांव के पास बीकानेर की ओर जा रहे लकड़ी के फट्टों से भरे ट्रक को पीछे से कंटेनर ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। ट्रकों के चालक केबिन से कूदकर भाग निकले। पीछे से आ रहे दूसरे वाहन भी एक के बाद एक टकरा गए। इनमें आठ ट्रक, तीन छोटे वाहन और एक सरकारी वाहन शामिल है।

मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बीलवा स्थित राधास्वामी सत्संग ब्यास केन्द्र पहुंचे। उन्होंने राधास्वामी ब्यास के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आत्मीय मुलाकात की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आध्यात्म, सामाजिक मूल्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

एसडीएम थप्पड़ कांड में नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/टोंक। टोंक में देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने और समरावता गांव में हिंसा भड़काने के आरोपी नरेश मीणा को बुधवार को भी जमानत नहीं मिल पाई।

राजस्थान हाईकोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए पुलिस से केस डायरी और आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। बता दें कि नरेश मीणा की ओर से हिंसा और थप्पड़ मारने के दोनों मामलों में जमानत याचिका दाखिल की गई थी। बुधवार को हिंसा के मामले में सुनवाई हुई, जबकि थप्पड़ मारने के मामले में गुरुवार को सुनवाई की संभावना है।

हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता मुख्य आरोपी है और उस पर भीड़ को उकसाने और उपद्रव फैलाने का आरोप है। साथ ही घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का भी मामला सामने आया है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा, ऐसा नहीं चलेगा, एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी।

पुलिस ने कोर्ट को बताया कि समरावता गांव में हिंसा के बाद हालात गंभीर हो गए थे, और आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद तय की है।

गौरतलब है कि यदि इस मामले में नरेश मीणा को जमानत मिल भी जाती, तो वह जेल से बाहर नहीं आ सकते थे। क्योंकि उन्हें एसडीएम को थप्पड़ मारने के मामले में भी जमानत लेनी होगी।

राज्य सरकार द्वारा साइबर सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए की एडवाइजरी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। साइबर फ्रॉड के नित नए तरीकों को देखते हुए प्रदेश में आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए राज्य सरकार द्वारा दो एडवाइजरी की गई है। गृह विभाग की संयुक्त शासन सचिव पूजा पार्थ ने बताया कि एडवाइजरी में साइबर ठगों द्वारा इंडिया पोस्ट स्कैम एवं अन्य माध्यम से किये जा रहे साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय बताए गए है।

इन-इन पोस्ट स्कैम मैसेज एक प्रकार का फिशिंग स्कैम है जिसमें आमजन को इंडिया पोस्ट के नाम से एसएमएस या फोन कॉल कर दावा किया जाता है कि अधूरे पते के कारण पैकेज डिलीवर नहीं किया जा सकता है। इस फेक मैसेज में पता अपडेट करने के लिए एक लिंक दिया जाता है जिस पर क्लिक करते ही यह एक धोखाधडी वाली वेबसाइट पर रिडायरेक्ट हो जाता है, जहाँ आमजन को व्यक्तिगत जानकारी प्रदान करने या भुगतान करने के लिए कहा जाता है।

एडवाइजरी के अनुसार ऐसे संदेश मिलने पर सतर्क रहें और कभी भी विवरण प्रदान करने के लिए इस प्रकार के लिंक का उपयोग न करें। इस तरह के सन्देश में हमेशा व्याकरण संबंधी त्रुटियां, भेजने वाले के संपर्क विवरण की जाँच करें और लिंक को क्रॉस चेक करें। अगर आप फिर भी शिकार बनते हैं तो अपना डिवाइस बंद कर अपने बैंक को सूचित करें और पुलिस से संपर्क करें। पैकेज के बारे में अनिश्चित होने पर भारतीय डाक के ग्राहक सेवा नंबर 1800 266 6868 पर संपर्क कर सकते हैं।अपने पार्सल को अधिकारिक इंडिया पोस्ट वेबसाइट पर या किसी थर्ड पार्टी ट्रैकिंग सेवा का उपयोग कर ट्रैक करें।

इसी प्रकार साइबर ठगों द्वारा विभिन्न अन्य प्रकार के साइबर फ्रॉड को भी अंजाम दिया जा रहा है। जारी एडवाइजरी के अनुसार किसी भी तरह की वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के के लिए अपने पासवर्ड हमेशा गुप्त रखें और समय-समय पर बदलते रहे। अपने डिवाइस पर लॉगिन क्रेडेंशियल सेव न करें। अपने अकाउंट की गतिविधि से अवगत रहे और नियमित रूप से लेन-देन की जाँच करें। वित्तीय लेन-देन करते समय हमेशा सावधान और सतर्क रहे। फर्जी एसएमएस एवं फोन कॉल से सावधान रहे।

पतंग महोत्सव

सूर्य उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर जयपुर में जल महल की पाल पर पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पतंग महोत्सव में पतंग उड़ाकर पतंग महोत्सव का शुभारंभ करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

जैसलमेर में इंदिरा गांधी नहर में बहकर आए दो शव

जैसलमेर/दक्षिण भारत । राजस्थान में जैसलमेर के मोहनगढ थाना क्षेत्र में इंदिरा गांधी नहर परियोजना में पिछले 24 घंटे के दौरान दो शव अलग-अलग स्थानों पर बहकर आने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम को इन्दिरा गांधी नहर में एक शव बहकर आया था, जो सड़ीगली अवस्था में था। नहर क्षेत्र में ग्रामीणों को शव दिखाई देने की सूचना पर थाना प्रभारी प्रेम प्रकाश मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सड़े गले शव का मौके पर ही पोस्टमॉर्टम करवाया। शव की शिनाख्त नहीं होने पर डीएनए जांच के लिए सैंपल लिए गए। मोहनगढ़ थाना पुलिस ने सैंपल लेकर शव का अंतिम संस्कार करवा दिया। पुलिस ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई। मृतक के बाएं हाथ के बाजू पर एक शेर का टैटू बना है। शव का डीएनए सैंपल लेकर अंतिम संस्कार करवाया गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को ही मोहनगढ़ थाना इलाके में पांच किमी नहर में मंजूर खान निवासी पांचू की ढाणी मोहनगढ़ के मुरब्बे के पास नहर में एक सड़ी गली अवस्था में दूसरा शव मिला था।

मरूभूमि के जल संकट के समाधान की लिखी गई नई इबारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में जल संकट के स्थाई समाधान करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए और उनकी दूरदृष्टि और प्रभावी नीति-निर्माण के कारण प्रदेश में जल प्रबंधन और आपूर्ति के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। राज्य के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को यह बात कहते हुए बताया कि राज्य सरकार का एक वर्ष प्रदेश की जल समस्याओं के समाधान में क्रांतिकारी साबित हुआ।

उन्होंने बताया कि शर्मा ने प्रदेश में जल संकट के निदान के लिए शुरू से प्रयास किए और सरकार के पहले साल में जल संकट एवं समस्याओं के समाधान के लिए ऐतिहासिक निर्णय करते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाए और इस समस्या के समाधान की नई इबारत लिखी गई है ।उन्होंने बताया कि भजनलाल सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत 10.86 लाख ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया। इस परियोजना पर 5578 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो राज्य के ग्रामीण परिवारों को जल संकट से निजात दिलाने के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। राज्य सरकार ने प्रदेशभर में 1997 नए नलकूप स्थापित कर चालू किए गए। साथ ही, 2694 नए हैंडपंप लगाकर ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इसके अतिरिक्त खराब पड़े 2.63 लाख हैंडपंपों की मरम्मत करके उन्हें पुनः शुरू किया गया। रावत ने बताया कि भजनलाल सरकार ने जल संसाधनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए 67,087 अवैध जल कनेक्शनों को समाप्त किया। साथ ही 5596 अवैध जल कनेक्शनों को नियमित किया गया, जिससे जल वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित हुआ। अवैध कनेक्शन के पेटे 73.81 लाख रुपए की वसूली की गई है।

राज्य सरकार ने गिरते भूजल स्तर पर विशेष ध्यान देते हुए जल संग्रहण की नीति पर काम किया। विकल्प जल योजना के तहत 133 रिचार्ज शाफ्ट बनाए गए जो वर्षा जल के पुनर्भरण और भूजल स्तर में सुधार के लिए उपयोगी सिद्ध हुए। इस योजना ने अजमेर ग्रामीण, पीसांगन, अटरू, बारां, और राजगढ़ जैसे आठ जल संकटग्रस्त ब्लॉकों में जल स्तर में गिरावट को रोकने में बड़ी भूमिका निभाई। राज्य में उपलब्ध पेयजल संरचनाओं को विस्तार देते हुए सरकार ने 41 पीजोमीटर्स का निर्माण तथा 815 कुंओं का जीर्णोद्धार किया। इसके अतिरिक्त जल संरक्षण और संचयन के लिए उपयुक्त 723 स्थलों का भू-भौतिकीय सर्वेक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राजस्थान की बहुप्रतीक्षित ईआरसीपी परियोजना को साकार रूप देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के लिए मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के साथ एमओयू एवं एमओए हस्ताक्षरित हुआ। इस परियोजना के माध्यम से राज्य के 21 जिलों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। 2.51 लाख हेक्टेयर नया सिंचित क्षेत्र विकसित होगा तथा 1.52 लाख हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र का पुनरुद्धार किया जाएगा। परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों के लिए लगभग 9,400 करोड़ रूपए के कार्यादेश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत भजनलाल सरकार ने जल संग्रहण और संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए 11200 करोड़ रुपये की लागत से चार वर्षों में 20 हजार गांवों में 5 लाख जल संरचनाएं बनाने का कार्य प्रारंभ किया।

प्रथम चरण में एक लाख 2153 कार्यों को स्वीकृति दी गई। इसके तहत अब तक 815 करोड़ रूपये व्यय हुए हैं तथा 38 हजार 537 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। राज्य सरकार ने पेयजल की उपलब्धता के लिए एक और बड़ा कार्य करते हुए शेखावाटी के जिलों से संबंधित यमुना जल समझौते को भी आगे बढ़ाया।

जैसलमेर में कुरजां पक्षियों की मौत बर्ड फ्लू से हुई : अधिकारी

जैसलमेर/दक्षिण भारत । राजस्थान के जैसलमेर में हाल ही में मृत पाए गए कुरजां (डेमोइसेल सारस) की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई थी। अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इन पक्षियों का विरसा भोपाल की एक प्रयोगशाला में भेजा गया था। इसी रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि कुरजां पक्षी बर्ड फ्लू से मरे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन 'सतर्क' मोड में है। जैसलमेर जिला प्रशासन ने देगराय ओरण इलाके के लुणेरी तालाब क्षेत्र को संक्रमित 'हॉटस्पॉट एरिया' घोषित कर दिया है। संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। पशुपालन विभाग, वन विभाग और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को मिलाकर एक संयुक्त टीम बनाई गई है। इस टीम ने त्वरित प्रतिक्रिया टीम का गठन किया है, जो हॉटस्पॉट एरिया में गश्त और निगरानी का काम कर रही है।

इसके साथ ही प्रवासी पक्षियों के झुंड पर भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए क्षेत्र में रसायन का छिड़काव किया जाएगा। पशुपालन विभाग जैसलमेर के संयुक्त निदेशक डॉ. उमेश वरंगतिवार ने बताया कि देगराय ओरण इलाके के तालाब क्षेत्र में 11 जनवरी को छह कुरजां पक्षियों के शव मिले थे।

मनस्तु के अंतरिक्ष यान के थ्रस्टर ने पीओईएम कक्षीय प्लेटफॉर्म को सक्रिय किया

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई स्थित स्टार्ट-अप मनस्तु स्पेस की स्वनिर्मित हरित प्रणोदन प्रणाली ने पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरीमेंट मॉड्यूल (पीओईएम) को सक्रिय कर दिया है, जो 24 विभिन्न पेलोड के साथ 350 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मनस्तु स्पेस के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तुषार जाधव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पीओईएम-चार प्लेटफॉर्म की गतिविधि सोमवार दोपहर पोर्ट ब्लेयर के ऊपर हुई, जब व्योम-2यू थ्रस्टर 120 सेकंड से अधिक समय तक लगातार फायर हुआ, जिससे 1.5 डिग्री प्रति सेकंड का कोणीय वेग प्राप्त हुआ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-बंबई के दो पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप में विकसित व्योम-2यू थ्रस्टर्स अंतरिक्ष यान को कक्षा में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और पर्यावरण के लिए नुकसानदेह प्रणोदकों को हरित ईंधन से प्रतिस्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्टार्ट-अप ने कहा कि मिशन आद्यांत नामक थ्रस्टर्स का अंतरिक्ष में 150 सेकंड से अधिक समय तक परीक्षण किया गया और सभी महत्वपूर्ण घटकों के कार्यों में किसी तरह की त्रुटि नहीं मिली। जाधव ने कहा, ''व्योम-2यू अभी भी त्रुटिहीन प्रदर्शन कर रहा है, इसलिए हम इसी मिशन के तहत अंतरिक्ष प्रणोदन में जो कुछ भी संभव है, उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।'' थ्रस्टर्स ने अंतरिक्ष में 325 घंटे से अधिक समय बिताया है और सोमवार तक पृथ्वी के चारों ओर 217 परिक्रमाएं पूरी कर ली हैं। अंतरिक्ष में थ्रस्टर्स के प्रदर्शन के साथ, मनस्तु ने कहा कि प्रौद्योगिकी का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कुमार ने कहा कि व्योम-2यू प्रणोदन प्रणाली के व्यापक अंतरिक्ष परीक्षण ने लंबी अवधि के मिशन के लिए इसकी मजबूती और तत्परता को प्रदर्शित किया है।

भागवत की टिप्पणी 'राष्ट्र-विरोधी', तत्काल माफी मांगें: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राहुल गांधी की 'इंडियन स्टेट' वाली टिप्पणी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमलों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के 'सच्ची स्वतंत्रता' संबंधी बयान को लेकर प्रहार किया और कहा कि 'राष्ट्र-विरोधी' बयान के लिए भागवत को तत्काल माफी मांगनी चाहिए। आरएसएस के सरसंघचालक भागवत ने गत सोमवार को कहा था कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश को सच्ची स्वतंत्रता इसी दिन मिली थी।

उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए बुधवार को चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए और कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है। इन दोनों बयानों को लेकर दोनों दलों ने एक दूसरे पर तीखे वार-पलटवार किए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''श्री मोहन भागवत अक्सर बेतुके बयान देते रहे हैं। लेकिन इस बार अपने निम्नतम मानकों से भी नीचे जाकर उन्होंने जो कहा है वो न सिर्फ़ चौंकाने वाला है बल्कि स्पष्ट रूप से राष्ट्र-विरोधी है।''

त्रिपुरा: मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों के वेतन में 100 फीसदी वृद्धि के प्रस्ताव वाला विधेयक पारित

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा विधानसभा ने बुधवार को उस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया, जिसमें मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सदन के अध्यक्ष और विधायकों के वेतन, भत्तों और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है। विधेयक में मुख्यमंत्री को 97,000 रुपए का मासिक वेतन और 13,000 रुपए का सत्कार भत्ता, जबकि मंत्रियों और विपक्ष के नेता को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 95,000 रुपए वेतन तथा विधायकों को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 93,000 रुपए वेतन देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में पहले मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को 50,000 से 48,000 रुपए तक वेतन मिलता था।

संसदीय कार्य मंत्री रतन लाल नाथ ने विधानसभा में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मुख्य सचेतक और विधायकों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विधायकों के वेतन और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी शत प्रतिशत उचित नहीं थी। उन्होंने कहा, सांसदों के वेतन और पेंशन में नियमित अंतराल पर बढ़ोतरी करना सामान्य बात है, लेकिन यह प्रक्रिया उचित तरीके से की जानी चाहिए। हालांकि, मैं सांसदों को मिलने वाले वेतन-भत्तों व अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के खिलाफ नहीं हूं।

राहुल गांधी जो भी कहते हैं, वह भारत को तोड़ने की दिशा में होता है : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की इस टिप्पणी से कांग्रेस का 'घिनौना सच' सामने आ गया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि 'हम अब भाजपा, आरएसएस और 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से लड़ रहे हैं'। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने जो कुछ भी किया या कहा है, वह भारत को तोड़ने और समाज को विभाजित करने की दिशा में होता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि फिर वह अक्सर भारतीय संविधान की प्रति अपने हाथ में लेकर क्यों घूमते हैं। राहुल ने राष्ट्रीय राजधानी के कोटला रोड पर 9ए स्थित कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। यदि आप मानते हैं कि हम भाजपा नामक एक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं या हम आरएसएस नामक एक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं तो आप नहीं समझ पाए हैं कि क्या हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा और आरएसएस ने हमारे देश के प्रत्येक संस्थान पर कब्जा कर लिया है। अब हम सिर्फ भाजपा नामक राजनीतिक संगठन और आरएसएस से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' से भी लड़ रहे हैं।'' राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि यह कोई रहस्य नहीं है कि राहुल गांधी और उनके 'परिवेशी तंत्र' के शहरी नक्सलियों और 'डीप स्टेट' के साथ 'गहरे संबंध' हैं जो भारत को 'बदनाम, अपमानित और खारिज' करना चाहते हैं। 'डीप स्टेट' ऐसे समूह को कहा जाता है जो गोपनीय तरीके से अपने विशेष हितों को पूरा करने के लिए, खासकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने के लिए काम करते हैं। नड्डा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में होता है।

मणिपुर और बिहार के राज्यपालों ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर और बिहार के नवनियुक्त राज्यपालों ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अलग-अलग पोस्ट में इन मुलाकातों की जानकारी देते हुए तस्वीरें साझा कीं। राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''मणिपुर के राज्यपाल श्री अजय कुमार भल्ला ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' एक अन्य पोस्ट के अनुसार, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की।

'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों से पूर्वोत्तर को 'एक्ट ईस्ट' नीति का लाभ मिल रहा : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने बुधवार को कहा कि मणिपुर और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र डबल इंजन सरकार के दोहरे प्रयासों के चलते राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति का लाभ उठा रहा है।

नायडू ने कहा कि उनके मंत्रालय ने क्षेत्र में हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक समर्पित योजना लागू की है, जिसके तहत सरकार पूर्वोत्तर के गंतव्यों को जोड़ने के लिए एलायंस एयर को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्रदान कर रही है। नायडू नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत मणिपुर सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम में एलायंस एयर की तीन नई उड़ानों के प्रारंभ के अवसर पर बोल रहे थे। ये उड़ानें मणिपुर की राजधानी इंफाल को कोलकाता (प. बंगाल), गुवाहाटी (असम) और दीमापुर (नगालैंड) से जोड़ेंगी। मुझे यकीन है कि इन नये मार्गों पर हवाई सेवा की शुरुआत से मणिपुर में व्यापार, यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। नायडू ने इन उड़ानों को वास्तविकता बनाने की प्रतिबद्धता के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की तारीफ की। हम मणिपुर को देश के बाकी हिस्सों के करीब लाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। मुझे कहना होगा कि 'डबल इंजन' सरकार के दोहरे प्रयासों के चलते मणिपुर और पूरा पूर्वोत्तर राजग सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति का लाभ उठा रहा है।

मेटा इंडिया के माफी मांगने के बाद जुकरबर्ग की टिप्पणी का विषय अब खत्म : दुबे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसद की स्थायी समिति के प्रमुख निशिकांत दुबे ने बुधवार को कहा कि मेटा इंडिया के एक पदाधिकारी द्वारा माफी मांगे जाने के बाद मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी से जुड़ा विषय अब खत्म हो गया है। मेटा इंडिया ने बुधवार को अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग की उस टिप्पणी के लिए माफी मांगी जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की मौजूदा सरकार 2024 के चुनावों में हार गई थी। मेटा इंडिया ने इसे ''अनजाने में हुई भूल'' बताया है। दुबे ने पोस्ट किया, ''भारतीय संसद व सरकार को 140 करोड़ लोगों का आशीर्वाद व जन विश्वास प्राप्त है। मेटा के भारत के अधिकारी ने आख़िर अपनी ग़लतियों के लिए क्षमा मांगी है। यह जीत भारत के आम नागरिकों की है, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बना कर दुनिया का देश के सबसे मज़बूत नेतृत्व से परिचय करवाया है।'' उन्होंने कहा, ''अब इस मुद्दे पर हमारी समिति का दायित्व ख़त्म होता है, अन्य विषयों पर हम इन सोशल प्लेटफ़ॉर्म को भविष्य में बुलाएंगे।'' जुकरबर्ग ने कथित तौर पर एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि 2024 में दुनिया भर के चुनावों में, भारत सहित अधिकांश मौजूदा सरकारों को चुनावी हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली में आप बहुत मजबूत, इसीलिए सपा उसे दे रही समर्थन : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) बहुत मजबूत स्थिति में है इसीलिए आगामी विधानसभा चुनावों में सपा उसे समर्थन दे रही है।

अखिलेश यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि 'इंडिया' गठबंधन बरकरार है और गठबंधन बनते समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सपा सहित तमाम राजनीतिक दलों से बातचीत की थी जिसमें यही तय किया गया था कि जो क्षेत्रीय दल जहां मजबूत है उसे 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन और मजबूत करेगा। यादव ने कहा, ''दिल्ली में आम आदमी पार्टी बहुत ही मजबूत स्थिति में है इसलिए समाजवादी पार्टी ने उनका समर्थन किया है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस और आप, दोनों आमने-सामने हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा, ''हमारा सुझाव यही है कि जो क्षेत्रीय दल भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला कर रहे हैं, हम इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं को मिलकर उनकी मदद करनी चाहिए और उनके साथ खड़े होना चाहिए।'' यादव ने कहा कि उनका केवल एक ही मकसद है और वह है भाजपा को हराना। सपा प्रमुख अपने चाचा राजपाल यादव की अस्थियां विसर्जित करने और उनका पिंडदान करने के लिए अपने परिजनों के साथ यहां हरिद्वार पहुंचे थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से इंडिया गठबंधन में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन उम्मीद जताई कि इंडिया गठबंधन बना रहेगा।

भागवत ऐसे बयान देते रहे तो देश में उनका घूमना-फिरना मुश्किल हो जाएगा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के 'सच्ची स्वतंत्रता' वाले बयान की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि यदि वह इसी तरह का बयान देते रहे तो देश में उनका घूमना-फिरना मुश्किल हो जाएगा।

खरगे ने कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भाजपा के लोगों को (1947 में मिली) आजादी याद नहीं है क्योंकि उनके वैचारिक पूर्वजों का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं है। भागवत ने सोमवार को कहा था कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए क्योंकि अनेक सदियों से दुश्मन का आक्रमण झेलने वाले देश को सच्ची स्वतंत्रता इसी दिन मिली थी।

खरगे ने भागवत पर निशाना साधते हुए कहा कि यह शर्म की बात है कि आजादी मिलने के बाद वह इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरएसएस और भाजपा का उल्लेख करते हुए कहा, ''(आजादी के लिए) वो कभी लड़े नहीं, कभी जेल नहीं गए, इसलिए उन्हें आजादी के बारे में कुछ याद ही नहीं है... हमारे लोग लड़े थे, जान गंवाई थी, इसलिए हम आजादी को याद करते हैं।'' खरगे ने कहा, ''भागवत के बयान की मैं निंदा करता हूं और वह अगर ऐसे ही बयान देते रहे तो हिंदुस्तान में उनका घूमना-फिरना बड़ा मुश्किल हो जाएगा।'' बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कई विभाजनकारी ताकतों, जिनका आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं था, ने बाद में संविधान, तिरंगा, अशोक चक्र से लेकर समाज की प्रगति के लिए बन रहे कायदे-कानूनों तक का विरोध किया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- जब राम मंदिर बना, तब देश को आजादी मिली। वहीं नरेंद्र मोदी को लगता है कि जब 2014 में वह प्रधानमंत्री बने, तब देश को आजादी मिली। यह शर्म की बात है।''

सेवादारों के दो समूहों के बीच झड़प के बाद ओडिशा के लिंगराज मंदिर में अनुष्ठान तीन दिन से बाधित

भुवनेश्वर/भाषा। मकर संक्रांति अनुष्ठान को लेकर सेवादारों के दो समूहों के बीच झड़प के बाद लिंगराज मंदिर में अनुष्ठान पिछले तीन दिनों से निलंबित हैं। मंदिर में प्रमुख अनुष्ठानों में व्यवधान के कारण, भगवान को ''भोग'' भी नहीं लगाया गया है, जबकि 11वीं शताब्दी के मंदिर में मकर संक्रांति अनुष्ठान नहीं हुआ।

इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बुधवार को मंदिर के विभिन्न सेवादार समूहों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। हालांकि, बैठक में हल नहीं निकल पाया क्योंकि सेवादारों के एक समूह 'ब्राह्मण नियोग' ने इसका बहिष्कार किया। 'ब्राह्मण निजोग' और 'बड़ निजोग' के बीच विभिन्न अनुष्ठानों को लेकर मतभेद थे, जिसके परिणामस्वरूप सोमवार शाम से गतिरोध बना हुआ है। मंत्री ने सेवादारों से मंदिर में अनुष्ठान तुरंत फिर से शुरू करने की अपील की। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए हरिचंदन ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए लिंगराज मंदिर ट्रस्ट बोर्ड की एक आपातकालीन बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, भगवान लिंगराज के अनुष्ठानों में व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। ट्रस्ट बोर्ड इस मामले पर निर्णय ले सकता है।''

संसदीय समिति को नफरती भाषण संबंधी दिशा-निर्देशों पर मेटा से सवाल पूछने चाहिए : तृणमूल सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसद की स्थायी समिति के सदस्य और तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने बुधवार को कहा कि अगर समिति मेटा के अधिकारियों को बुलाती है, तो उनसे कंपनी के तथ्यों की जांच (फैक्ट चेकिंग) को रोकने के फैसले और अभद्र भाषा तथा गलत सूचना पर इसके सामग्री दिशानिर्देशों में बदलाव के बारे में पूछताछ की जानी चाहिए।

गोखले की टिप्पणी भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणियों के एक दिन बाद आई है, जो समिति के प्रमुख हैं। दुबे ने कहा था कि समिति, इसके सीईओ मार्क जुकरबर्ग के एक पॉडकास्ट के दौरान दिए गए बयान पर विवाद के बीच भारत की छवि 'धूमिल' होने को लेकर सोशल मीडिया दिग्गज मेटा के अधिकारियों को बुलाएगी।

जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट के दौरान कथित तौर पर कहा था कि कोविड-19 महामारी के बाद, भारत सहित अधिकांश देशों की सरकारें 2024 में चुनाव हार गईं।

दुबे को लिखे एक पत्र में गोखले ने कहा कि उसी साक्षात्कार में, जुकरबर्ग ने यह भी घोषणा की थी कि मेटा अपने 'फैक्ट चेक' कार्यक्रम को समाप्त कर देगा और अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों में भी बदलाव करेगा।

स्मृति का सबसे तेज शतक, रिकॉर्डों की बारिश, भारत ने 3-0 से श्रृंखला जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को यहां स्मृति मंधाना के 70 गेंद में सबसे तेज शतक और प्रतिका रावल के पहले सैकड़े के दम पर कई रिकॉर्ड बनाते हुए आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 304 रन की अपनी सबसे बड़ी जीत से श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की।

स्मृति 135 रन (80 गेंद, 12 चौके, सात छक्के) बनाकर सबसे तेज शतक जड़ने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं। उनकी और प्रतिका की 129 गेंद में 154 रन (20 चौके, एक छक्का) की पारी से भारत ने पांच विकेट पर 435 रन बनाए जिससे टीम 50 ओवर के प्रारूप में अब तक के अपने सर्वोच्च स्कोर तक पहुंची। यह किसी भी (पुरुष और महिला) भारतीय टीम का वनडे में सर्वोच्च स्कोर है। वनडे में भारतीय पुरुष टीम का सबसे बड़ा स्कोर पांच विकेट पर 418 रन है जो उसने 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। मैच का नतीजा महज औपचारिकता रह गया था। भारत ने आयरलैंड को 31.4 ओवरों में सिर्फ 131 रन पर ढेर कर दिया।

कार्यवाहक कप्तान स्मृति और प्रतिका ने पहले विकेट के लिए 26.4 ओवर में 233 रन की साझेदारी निभाई। फिर भारतीय गेंदबाजों में स्पिनर तनुजा कंवर (31 रन देकर दो विकेट) और दीप्ति शर्मा (27 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर आयरलैंड की कम अनुभवी टीम के पांच विकेट झटककर उसे आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

आयरलैंड की टीम की शुरुआत काफी खराब रही जिसने 24 रन तक दो विकेट गंवा दिये थे लेकिन ओर्ला प्रेंडरगास्ट (36 रन) और सारा फोर्ब्स (41 रन) के तीसरे विकेट के लिए 64 रन से टीम 88 रन तक पहुंची।

जोकोविच ने सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने का नया रिकॉर्ड बनाया, ओसाका तीसरे दौर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/एपी। नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया जबकि नाओमी ओसाका पिछले तीन साल में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंची।

जोकोविच चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में 430 मैच खेल चुके हैं जो नया रिकॉर्ड है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में रोजर फेडरर (429) की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच अब ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में 379 मैच जीत चुके हैं जबकि 51 मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट हमारे खेल के मजबूत स्तंभ हैं। इस खेल के इतिहास में वह बहुत मायने रखते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि आज एक और रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा।'' पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज़ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए योशिहितो निशिओका पर 6-0, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। महिला एकल में दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन ओसाका 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं। उन्होंने अमेरिकी ओपन की सेमीफाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से जीत हासिल की।

ओसाका ने इस तरह से पिछले साल अमेरिकी ओपन में मुचोवा से मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

इस बीच विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक चैंपियन और पिछले साल की उप विजेता झेंग किनवेन को सीधे सेटों में पराजित करके बड़ा उलटफेर किया।

सुविचार

एक नाव पानी में रहती है लेकिन पानी को नाव के अंदर नहीं होना चाहिए, नहीं तो नाव डूब जाएगी। आध्यात्मिक उन्नति के लिए अग्रसर व्यक्ति संसार में रहे तो कोई हर्ज नहीं लेकिन उसके मन में संसार की माया नहीं होनी चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे लगाएं डॉलर को लगाम?

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए ठोस उपाय करने होंगे। जब डॉलर मजबूत होता है और रुपए में गिरावट आती है तो महंगाई बढ़ने का अंदेशा होता है, क्योंकि देश की जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है, जिसके भुगतान की मुख्य मुद्रा डॉलर है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के बाद आर्थिक सुधारों का वातावरण बन रहा है, जिससे निवेशक उसका रुख कर रहे हैं। रुपए में गिरावट के कारण सरकार की आलोचना हो रही है, पहले भी होती थी। अर्थशास्त्र के आंकड़ों से जुड़े विश्लेषण को समझ पाना हर किसी के लिए आसान नहीं है। खासकर आम आदमी जब चीजें खरीदता है और वे उसे महंगी मिलती हैं तो इसके लिए सरकारों को जिम्मेदार ठहराता है। बात काफी हद तक ठीक भी है, लेकिन जब तक आयात पर ज्यादा निर्भरता रहेगी, डॉलर को लगाम लगाना संभव नहीं है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि सरकार क्या करे और जनता क्या करे? रुपए में आ रही इस गिरावट को रोकने के लिए कुछ लंबी रणनीति बनानी होगी। अगर सरकार और जनता, दोनों इस पर काम करें तो न केवल रुपया मजबूत होगा, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था भी बड़ी हो जाएगी। सबसे पहले उन तरीकों को गंभीरता से लागू करें, जिनमें डॉलर खर्च न हों या कम से कम खर्च हों। विदेश में सैर-सपाटे के बजाय अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा दें। अत्यधिक महंगी और विलासित से संबंधित चीजों, जिनका आम आदमी की जरूरतों से खास सरोकार नहीं है, पर ज्यादा कर लगाया जाए। विदेशी चॉकलेट, मोबाइल फोन, साबुन, कपड़े, परफ्यूम, पेय पदार्थ, जूते, बेल्ट, पर्स आदि के बजाय स्वदेशी उत्पादों के उपभोग को बढ़ावा दिया जाए।

तेल की खपत बढ़ने से आयात बिल की रकम बढ़ती है। हमें इसके अन्य विकल्पों की ओर जाना होगा। इथेनॉल मिश्रण, हरित हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं को बेहतर बनाना होगा। हर रसोईघर में सौर ऊर्जा चालित चूल्हे को पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा। विदेशी मुद्रा भंडार भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि अपने उद्योगों को विकसित किया जाए। भारत के पास मजबूत युवाशक्ति है। अगर इसे रोजगार का उचित प्रशिक्षण मिल जाए तो देश में बहुत बड़ा बदलाव आ जाए। इसके लिए सरकारों को थोड़ी-सी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। हर क्षेत्र में ऐसे कई विकल्प हैं, जहां युवाशक्ति को सही दिशा दिखाकर नियुक्त कर दिया जाए तो कुछ ही वर्षों में रोजगार का परिदृश्य बदल सकता है। इसके लिए सरकारों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिनसे व्यवसाय करना आसान हो जाए। जो व्यक्ति व्यवसाय करना चाहता है, उसके सभी काम एक ऑनलाइन फॉर्म से होने चाहिएं। अभी कई जगह स्थिति यह है कि बिजली, पानी जैसी जरूरी सुविधाएं लेने के लिए लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। अगर बार-बार दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ेंगे तो कितने नौजवान व्यवसाय करना चाहेंगे? सरकार शिक्षा और स्वरोजगार की राह में आने वाले विभिन्न अवरोधकों को हटा दे तो रुपया मजबूत होने लगेगा। लोगों को यह सोच बदलनी होगी कि जो चीज विदेशी है, वही सबसे अच्छी है। इसमें कोई शक नहीं कि कई विदेशी चीजें अच्छी हैं, लेकिन उनका गुणगान करते रहने से तो काम नहीं चलेगा। हम अपनी चीजों को उनसे बेहतर क्यों नहीं बनाते? समस्या कहां है? इसे एक उदाहरण से समझिए। एक पार्टी में 100 लोग अपने-अपने समूह बनाकर विभिन्न विषयों पर बातचीत कर रहे हैं। 'रुपए में गिरावट', 'किसानों की हालत', 'बढ़ती बेरोजगारी' जैसे मुद्दे छाए हुए हैं। आयोजक महोदय कहते हैं कि हम पिछले महीने ही सपरिवार स्विट्जरलैंड घूमने गए थे, वहां खूब मस्ती की, जमकर शॉपिंग की। इस पार्टी में सजावट के फूल विदेश से आए हैं। जो विदेशी पेय पदार्थ मेहमानों को पेश किया गया है, वह भी बहुत महंगा है। एक सज्जन कहते हैं कि वे रिटायरमेंट के बाद बड़ा घर बनवाएंगे, जिसमें टाइल्स से लेकर फर्नीचर तक, सबकुछ 'बाहर' से आएगा। एक माता अपने सुपुत्र की शिकायत कुछ इस तरह करती हैं, 'यह तो कार के बगैर चलता ही नहीं है। इसे नींबू पानी, गन्ने का रस और दूध बिल्कुल पसंद नहीं हैं। कुछ दिन पहले मेरी मम्मी मूंगफली, गोंद के लड्डू और हाथ से बुना स्वेटर लेकर आई तो बोला, 'मुझे ये ओल्ड फैशन की चीजें अच्छी नहीं लगतीं। मेरे पास एक ही लाइफ है, इसलिए मैं तो सबकुछ ब्रांडेड लेता हूं।' हां, उस नौजवान को भी गिरते रुपए, किसानों की हालत और बेरोजगारी को लेकर बहुत चिंता है। साथ ही, शिकायत है कि सरकार की कोशिशों का असर नहीं हो रहा है।

ट्वीटर टॉक

थल सेना दिवस के अवसर पर वीर पराक्रमी, अदम्य साहसी भारतीय सेना के समस्त वीर जवानों, उनके परिजनों एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। माँ भारती की रक्षा हेतु अपने प्राण न्योछावर करने वाले हुतात्माओं को शत-शत नमन व सहृदय श्रद्धांजलि।

-वसुंधरा राजे

कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय ' इंदिरा भवन ' के उद्घाटन पर सभी कांग्रेसजन को हार्दिक बधाई। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि देश के कमजोर वर्गों की आवाज़ बुलंद करने के उद्देश्य में यह नवीन भवन हमारे संघर्ष को नए आयाम देगा तथा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बनेगा।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

तपिश से चित्त-शुद्धि

एक बार अकबर बादशाह ने बीरबल से कहा, 'बीरबल तुम्हें काला कोयला सफेद करके दिखाना है।' बीरबल सकते में आ गए, लेकिन बादशाह का आदेश था, इसलिए युक्ति सोचने लगे। उन्होंने बादशाह से कहा, 'हजूर! कुछ समय दिया जाए, फिर कोयला सफेद करके दिखाऊंगा।' कुछ दिनों बाद बीरबल दरबार में पहुंचे। बीरबल की चतुराई देखने लोगों का जमघट लग गया। बीरबल ने काले कोयले को सबके सामने रखा और उसमें आग लगा दी। कोयला धू-धू करके जलने लगा। जलकर कोयला अंगार बना और अंगार जब बुझा तो सिर्फ सफेदी के अलावा कुछ भी नहीं था। बीरबल ने साथ ही संदेश दिया कि कोयले को सफेद करने का उपाय संसार में सिवाय अग्नि-संस्कार के कोई दूसरा नहीं है। इसी तरह चित्त के ऊपर भी कुसंस्कारों की कालिख चढ़ जाती है और चित्त-शुद्धि के लिए उसे तपस्या की अग्नि में तपाना पड़ता है।

सामयिक

महिला सशक्तिकरण की दौड़ जीतती भारतीय रेलवे

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

महिलाओं का सशक्तिकरण शायद 20वीं सदी के बाद से सबसे ज़्यादा परिभाषित करने वाला आंदोलन है। हम ऐसी महिलाओं की प्रेरक कहानियाँ सुनते हैं जिन्होंने पुरुष-प्रधान भूमिकाओं में अपनी छाप छोड़ी है, जैसे सार्वजनिक जीवन और सरकार में, उद्योग के कप्तान के रूप में और खेल में। आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएँ अग्रणी हैं और हर बीतते साल के साथ उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और फिर भी, भारतीय रेलवे के कर्मचारियों में केवल 6-7 प्रतिशत महिलाएँ हैं। आज संख्या चाहे जो भी हो, पुरुष-प्रधान क्षेत्रों की उथल-पुथल में क़दम रखने वाली प्रथम महिलाओं को पहचाने जाने की आवश्यकता है। वे अग्रणी, साहसी थीं और इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उनमें अपार साहस था। 19वीं शताब्दी में घर से बाहर काम करना महिलाओं के लिए बुरा माना जाता था: पुरुष कर्मचारी प्रतिस्पर्धा से डरते थे, जबकि मध्यम वर्ग की महिलाएँ गृहिणी और शिक्षिका के रूप में पहचान चाहती थीं। न ही पुरुषों और महिलाओं को एक ही परिसर में मिलाना उचित माना जाता था। सामाजिक रीति-रिवाज सख्त थे और लिंग भेद आदर्श था।

लेकिन जैसे-जैसे रेलमार्गों का विस्तार हुआ, श्रमिकों की मांग बढ़ी। रेल कंपनियों द्वारा नियोजित पहली महिलाएँ रेल कर्मचारियों की बेसहारा विधवाएँ थीं। प्रबंधकों ने उन्हें वेतनभोगी रोजगार की पेशकश की-हालाँकि पूरी तरह से दया से नहीं, क्योंकि वे अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में काफ़ी कम कमाती थीं। जया चौहान 1984 बैच के भाग के रूप में रेलवे सुरक्षा बल में पहली महिला अधिकारी थीं। शुरुआत में एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में काम करते हुए, मातृभूमि की सेवा करने और अप्राप्त गढ़ों की खोज करने के उनके जुनून ने उन्हें उस आरामदायक नौकरी को छोड़ने और कूदने के लिए मजबूर किया। रेलवे की पुलिसिंग में जया ने न केवल रेलवे में अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि देश में अर्धसैनिक बलों में पहली महिला महानिरीक्षक भी बनीं। 1981 बैच के रेल उम्मीदवारों में से, एम. कलावती को भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा की पहली महिला सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। वह वर्तमान में दक्षिणी रेलवे जोन में मुख्य सिग्नल इंजीनियर के रूप में काम करती हैं। रेलवे सेवाओं में शामिल होने से पहले, 1988 में, कल्याणी चड्ढा ने जमालपुर में 1983 बैच के विशेष श्रेणी अपरेंटिस में भारतीय रेलवे मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान में चार साल बिताए। कल्याणी के नेतृत्व में 13 महिलाएँ हैं जो अब सेवा में हैं और 10 और जो जमालपुर में प्रशिक्षुता कर रही हैं।

मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन के डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं 1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक केवल पुरुषों के लिए थी। इस सदी की शुरुआत में ही, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर पहुँचीं। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला मंडल रेल प्रबंधक भी थीं। लगभग दो दशक बाद, जब पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुना गया, तब पुरुषों के अगले गढ़ को तोड़ने में महिला का हाथ था। अगले पाँच वर्षों तक पद्माक्षी खठ्ढड में एकमात्र महिला थीं। भारत की अटूट और अमर भावना और इसकी स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न। मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन की डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं, भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की पहली महिला सदस्य थीं। उनके शामिल होने के बाद, 14 और महिलाओं ने मंजू के उदाहरण का अनुसरण किया और भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स में प्रवेश किया।1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक सभी पुरुषों के लिए थी। यह इस सदी की शुरुआत में ही था, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन ने भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर जगह बनाई। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला डिवीजनल रेल मैनेजर भी थीं। पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुने जाने पर अगले पुरुष गढ़ को तोड़ने में लगभग दो दशक लग गए। अगले पांच वर्षों तक पद्माक्षी आईआरटीएस में एकमात्र महिला थीं।

भारतीय रेलवे के लिए एक रिकॉर्ड यह है कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय रेलवे बोर्ड में अब महिलाएँ बहुमत में हैं। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नियुक्तियों के नवीनतम दौर के साथ पहली बार रेलवे बोर्ड में महिलाएँ ड्राइवर की सीट पर हैं। कांच की छत को तोड़ते हुए, रेलवे बोर्ड का नेतृत्व पहले से ही एक महिला द्वारा किया जा रहा है, अब संचालन और व्यवसाय विकास के प्रभारी एक महिला सदस्य हैं और उसी रैंक की एक अन्य महिला सदस्य वित्त सदस्य के रूप में वित्त की देखभाल करती हैं। महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करने के एक अन्य तरीके में, भारतीय रेलवे ने एक पूरी ट्रेन और रेलवे स्टेशन महिलाओं को समर्पित करना शुरू किया।

मणिनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और माटुंगा रोड स्टेशन (मुंबई, महाराष्ट्र) का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन की सफाई, ट्रैक की खराबी का पता लगाने और उनकी मरम्मत के लिए महिला ट्रैक मेंटेनर काम करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में महिला नेताओं की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार ने मुंबई-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस के लिए सभी महिला टीटीई नियुक्त की हैं। डेक्कन क्वीन एक्सप्रेस एक और ट्रेन है जिसे पूरी तरह महिलाओं की टीम चलाती है। देश में सबसे बड़ा नियोक्ता होने के नाते भारतीय रेलवे इस क्षेत्र में महिला कर्मचारियों और नेतृत्व को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है, लेकिन फिर भी, आंकड़े बताते हैं कि जनसंख्या में उनके अनुपात के अनुसार यह संख्या महत्त्वपूर्ण नहीं है।

नजरिया

कुंभ मेले की आन, बान और शान हैं नागा साधु

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

महाकुंभ 2025 में नागा साधु देशवासियों के लिए जबरदस्त आकर्षण और कौतूहल का केंद्र बने हुए है। कुंभ के दौरान विभिन्न अखाड़ों में नागा साधुओं का अमृत स्नान होता है। शाही स्नान करने का पहला अधिकार नागा साधुओं का होता है। कुंभ मेले का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन शाही स्नान है और इसका मुख्य पात्र नागा साधु होते हैं। इन साधुओं की पारंपरिक वेशभूषा और विलक्षण गतिविधियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। बताया जाता है नागा साधुओं की भागीदारी के बिना कुम्भ अधूरा होता है। नागा साधुओं की दुनिया बड़ी अजब गजब है। सांसारिक और सामाजिक दुनिया से दूर है लेकिन कुम्भ स्नान के दौरान वे समाज के बीच बड़े ही रहस्यमयी तरीके से प्रकट हो जाते हैं। नागा साधु अपनी कठोर और तपस्वी जीवन शैली के लिए जाने जाते हैं। कुंभ के बाद कई नागा साधु हिमालय पहाड़ों, जंगलों या अन्य शांत स्थलों में जाकर साधना और तप करते है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुम्भ के दौरान नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था। कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवार लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे। अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभायात्रा में कुछ नागा साधु घोड़े पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुंभ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। त्रिशूल और डमरू के साथ उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के मिलन का उत्सव है। पुरुष नागाओं की तरह ही महिला नागा संन्यासी भी उसी ढंग से तप और योग में लीन रहती हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि ये गेरुआ वस्त्र धारण करती हैं, उसमें भी ये बिना सिलाया वस्त्र धारण करती हैं।

नागा का अर्थ है निर्वस्त्र या विनम्र, और ये नाम उनके सरल और त्यागपूर्ण जीवनशैली का प्रतीक है। संस्कृत में नागा शब्द का अर्थ पर्वत या पर्वतों में या उसके आसपास रहने वाला व्यक्ति होता है। नागा साधुओं का उल्लेख प्राचीन भारत के इतिहास में मिलता है। इनके अस्तित्व के प्रमाण मोहनजोदड़ो के सिक्कों और चित्रों में मिलते हैं, जिनमें वे भगवान शिव के पशुपतिनाथ अवतार की पूजा करते हुए दिखाए गए हैं। नागा साधुओं के बारे में देश में कई तरह की किंवदन्तियाँ प्रचलित है। नागा साधु आपको घर घर में विचरण करते नहीं मिलेंगे। ये अपने

अखाड़ों में ही ज्यादातर रहते है। अपनी विचित्र वेशभूषा के कारण ये लोगों के आकर्षण का केंद्र बन जाते है। विख्यात कुम्भ मेले के दौरान लोगों को हज़ारों की संख्या में नागा साधु देखने को मिल जाते है जो अपनी वेशभूषा, निर्वस्त्र, जटाधारी, शारीर पर भष्म लगाए कौतुहल का विषय बनते हैं। बताते है नागा साधुओं के संप्रदाय की स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी। शंकराचार्य का जन्म 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में हुआ था। मृत्यु को मात देने वाले करतब दिखाते शस्त्र से सुसज्जित इन नागाओं को सनातन धर्म का रक्षक माना जाता है। नागों के प्रमुख पांच गुरु भगवान शंकर, भगवान विष्णु, शक्ति, सूर्य और गणेश माने जाते हैं। नागाओं के बारे में लेकिन सबसे रोचक एक और बात है। शायद आप नहीं जानते होंगे की पुरुष नागाओं के जैसे ही महिला नागा भी होती हैं।

बताया जाता है देश में नागा साधुओं की संख्या पांच लाख से अधिक है। देश में 13 साधू अखाड़े हैं। इनमें सबसे बड़ा अखाड़ा है दशनाम जुना अखाड़ा। सबसे ज्यादा महिला नागा इसी अखाड़े से जुड़ी हैं। महिला नागाओं की बढती संख्या को देख कर अखाड़ा प्रबंधन ने महिलाओं के लिए अलग से एक इकाई बना दी जिसका नाम है माई बड़ा अखाड़ा। इसमें से वरिष्ठ और योग्य महिला नागा को चुन कर श्री महंत की उपाधि भी दी जाती है जो अपना खुद का ध्वज लहराती हैं और आसन पर बैठ कर कुम्भ मेला में स्नान करने जाती हैं। पुरुष नागा साधू निर्वस्त्र रहते हैं। महिला नागा साधु पीले या गेरुए वस्त्र से अपना तन ढक के रखती हैं। ये वस्त्र सिले नहीं होने चाहिए। पीले वस्त्रो में या फिर गेरुए वस्त्र में महिला नागा कुम्भ मेले में दिख जायेंगी। ये तिलक लगाती हैं और सम्मान से इन्हें माता कहकर बुलाया जाता है। ऐतिहासिक जानकारी के मुताबिक नागा साधों ने कई बार देश की रक्षा के लिए युद्ध लडे और अपना बलिदान दिया। विदेशी आक्रमण की स्थिति में स्थानीय राजा-महाराजा भी नागा योद्धा साधुओं का सहयोग लेते थे। इतिहास में ऐसे कई गौरवशाली युद्धों का वर्णन है जिनमें 40 हजार से अधिक नागा योद्धाओं ने हिस्सा लिया था। अहमद शाह अब्दाली द्वारा मथुरा-वृंदावन के बाद गोकुल पर हमले के समय, नागा साधुओं ने उनकी सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी और गोकुल की रक्षा की।

नजरिया

महाराष्ट्र में अमित शाह की रैली के बाद मची हलचल

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

शिरडी में अमित शाह की विशाल रैली ने दिखाया कि भाजपा ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर जाने का फैसला किया है। भारतीय जनता पार्टी का राज्य स्तरीय सम्मेलन शिरडी में आयोजित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने राजनीति को दबाव देते हुए कहा कि असली शिवसेना और असली एनसीपी की जीत हुई है। शाह ने बीएमसी चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिरडी में अपने भाषण में शिवसेना नेताओं उद्धव ठाकरे और शरद पवार पर कटाक्ष किया था। क्योंकि इन दोनों पार्टियों ने बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए खतरनाक चाल चली थी. यह अमित शाह के भाषण में परिलक्षित हुआ। अमित शाह ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे पर तंज कसा। विपक्षी दलों की आलोचना होनी चाहिए, लेकिन पवार और ठाकरे की आलोचना करके शाह ने दिखा दिया कि महाराष्ट्र कैसे इन दो नेताओं की वजह से पिछड़ गया है।

पवार ने इतने वर्षों तक देश में मंत्री के रूप में कार्य किया लेकिन किसान आत्महत्याओं को नहीं रोक सके। ठाकरे के साथ भी ऐसा ही हुआ। ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने भाजपा की पीठ में छुरा घोंपा है। भाजपा, शिंदे और अजीत पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अभूतपूर्व जीत हासिल की। शाह ने पवार और ठाकरे की पार्टियों को खारिज करने के लिए महाराष्ट्र के लोगों को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि ध्यान चुनावों पर है और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इसके लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

स्वागत बोर्डों, भगवा झंडों, भाजपा के नारों ने साईनगरी को हिला दिया था और इसने समग्र वातावरण में एक भगवा जीवंत वातावरण बनाया था। शाह के भाषण ने इन सभी चीजों को प्रतिबिंबित किया और भाजपा के भविष्य की कार्रवाई का विचार भी दिया। अमित शाह ने महा विकास अघाड़ी पर निशाना साधा क्योंकि महा विकास अघाड़ी एक घरेलू गठबंधन है। इस गठबंधन के तीनों दल एक-दूसरे पर पॉटशॉट लेने में लगे हुए हैं और वे इसे खो चुके हैं। गांव में भी नहीं। भाजपा और कांग्रेस में बहुत बड़ा अंतर है। पहले कांग्रेस के नेता और राज्यों के मुख्यमंत्री कांग्रेस की रैलियों में जयकार करते थे। कार्यकर्ताओं में होड़ लगी थी और इसलिए सभी नेता व पदाधिकारी वरिष्ठों की चाटुकारिता में व्यस्त थे। मैं अब उस तस्वीर को नहीं देखता। इसके विपरीत सभी नेताओं-विधायकों के साथ-साथ सांसदों ने मुख्यमंत्री फडणवीस की तारीफ की है क्योंकि उन्हीं की वजह से भाजपा को यह सफलता मिली है। स्थानीय निकाय चुनाव महत्वपूर्ण हैं, विशेष रूप से मुंबई, ठाणे, संभाजीनगर आदि जैसे नगरपालिका चुनाव, और अब भाजपा पूरी ताकत से सामने आएगी। इसलिए अब भाजपा का संघर्ष स्थानीय स्तर पर खेला जाएगा। शाह ने विपक्ष, शरद पवार की एनसीपी और शिवसेना उबाथा को भी संदेश दिया है। चुनाव के बाद से ही भाजपा के लिए माहौल अनुकूल रहा है। भाजपा के पास देवेंद्र फडणवीस, चंद्रशेखर बावनकुले, आशीष शेलार, नारायण राणे, नितेश राणे की एक मजबूत टीम है। बालासाहेब के समय की शिवसेना और उद्धव के नेतृत्व वाले संगठन के बीच जमीन और सम्मान का अंतर है। उद्धव ने मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस से हाथ मिलाने की रस्सी काट दी। उद्धव ने खुद मुख्यमंत्री पद की खातिर भाजपा में जाने के लिए रस्सी काट दी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमित शाह को पार्टी प्रमुख के रूप में कार्य करना पड़ रहा है। अमित शाह का यह बयान कि दोनों दल आज नेताओं के विश्वासघात के कारण रसातल में पहुंच गए हैं, जो उनकी राजनीति से शुरू हुआ और ठाकरे ने बालासाहेब के विचारों के साथ विश्वासघात किया और बाद में उन्होंने भाजपा की पीठ में छुरा घोंपा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम तीनों के महागठबंधन में चौथे सहयोगी की जरूरत नहीं है, लेकिन हमारा महागठबंधन अंत तक महाराष्ट्र में रहेगा। दरअसल पिछले कुछ दिनों में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने सीएम फडणवीस के काम की तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने कुछ ही शब्दों में स्पष्ट जवाब दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उत्तराधिकारी हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या उद्धव गुट मुख्यमंत्री के काम की प्रशंसा कर रहा है, उन्होंने कहा, कुछ प्रशंसाओं को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। आपको तारीफों के बारे में सावधान रहना होगा। अक्सर राजनीति को विभाजित करने के लिए इस तरह से प्रशंसा की जाती है। राजनीति में, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कोई कितनी भी प्रशंसा करता है, आपके पैर जमीन पर होने चाहिए। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।क्या उद्धव ठाकरे गुट को भविष्य में महागठबंधन में शामिल करने पर विचार किया जा सकता है? इस सवाल के जवाब में कहा गया, 'हमारी तीन कुर्सियां मजबूत हैं, इसलिए हमें चौथे सहयोगी की जरूरत नहीं है। हमारा महागठबंधन मजबूत है और महाराष्ट्र में अंत तक महायुति ही रहेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।उन्होंने कहा, 'हमें जो पद मिला है वह पद नहीं है, यह एक जिम्मेदारी है। मैं उत्तराधिकारियों की सूची में नहीं हूं, लेकिन मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उत्तराधिकारी हूं। फडणवीस ने कहा कि देश और समाज की सेवा करने की संस्कृति तब शुरू हुई जब मैं कम उम्र में आरएसएस की शाखाओं में जाता था।

उधर अमित शाह द्वारा शरद पवार पर किये गए आरोपों पर शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह को अपने पद की मर्यादा बनाए रखने की नसीहत दी है। दरअसल अमित शाह ने शिरडी में भाजपा के सम्मेलन में कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में पवार के द्वारा शुरू की गई विश्वासघात की राजनीति को 20 फीट जमीन में दफना दिया है। पवार ने मंगलवार को मुंबई में कहा- इस देश ने कई बेहतरीन गृह मंत्री देखे हैं, लेकिन उनमें से किसी को भी अपने राज्य से बाहर नहीं निकाला गया। उनका इशारा सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में 2010 में शाह को 2 साल के लिए गुजरात से बाहर निकाले जाने की ओर था। 2014 में शाह को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था। शरद पवार ने कहा कि 1978 में मैं सीएम था। तब राजनीति में पक्ष-विपक्ष के बीच इतनी कटुता नहीं थी। उस समय जन संघ के उत्तम राव पाटिल जैसे लोग भी मेरी मिनिस्ट्री में थे। इसके बाद जब वाजपेयी पीएम बने थे, तो उन्होंने मुझे आपदा मैनेजमेंट अथॉरिटी का अध्यक्ष बनाया था। मेरे विपक्ष में होने के बावजूद उन्होंने मुझे जिम्मेदारी दी थी। इंडिया गठबंधन में फूट की चर्चा पर पवार ने कहा- इंडिया गठबंधन में कभी भी स्टेट और लोकल चुनावों को लेकर कोई बात नहीं हुई थी। यह गठबंधन केवल नेशनल लेवल यानी लोकसभा चुनाव के लिए है।दरअसल, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन का कोई महत्व नहीं है। इसे खत्म कर देना चाहिए। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने अब्दुल्ला के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव हम अकेले लड़ेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दौरान मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालु बुधवार।

MAHA KUMBH 2025

भूले भटकों को रास्ता दिखाते, बिछड़ों को मिलाते बिजली के खंभे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में भूले भटकों को मिलाने के लिए भूले-भटके शिविर लगाए जाते रहे हैं और इस बार तो महाकुंभ मेले में डिजिटल भूले-भटके शिविर भी लगे हैं। लेकिन, बिछड़े लोगों को मिलाने और भटके हुए लोगों को रास्ता दिखाने में बिजली के खंभे भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। बिजली विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डिजिटल महाकुंभ के तहत पूरे मेला क्षेत्र में 50,000 बिजली के खंभों में क्यूआर कोड लगाए गए हैं जिन्हें कोई भी व्यक्ति मोबाइल से स्कैन करके अपनी भौगोलिक स्थिति जान सकता है। 'पीटीआई-भाषा' ने इस क्यूआर कोड का भौतिक परीक्षण करने के लिए एक खंभे पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन किया तो एक फॉर्म सामने आ गया जिसमें नाम, मोबाइल नंबर और खंभे पर लिखी संख्या 28126 भरकर उसे सबमिट (जमा) कर दिया। इसके एक ही मिनट के भीतर बिजली विभाग से फोन आ गया। फोन पर बिजली विभाग के कंट्रोल रूम से चंद्रप्रकाश नाम के व्यक्ति ने पूछा, मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूं।

इधर से जवाब दिया गया, मैं रास्ता भटक गया हूं और मुझे मेला प्रशासन कार्यालय जाना है, कैसे जाऊं। विभाग के व्यक्ति ने बताया, आप इस समय संगम लोअर मार्ग पर सेक्टर-16 में हैं। मेला कार्यालय जाने के लिए आपको त्रिवेणी मार्ग पर आना होगा जहां से पांटून का पुल पार करके आप त्रिवेणी ढाल पर आ जाएं और वहां से सीधे मेला कार्यालय पहुंच जाएं। बिजली विभाग के कंट्रोल रूम में बतौर सुपरवाइजर कार्यरत विकास चौहान ने बताया कि पोल नंबर, क्यूआर कोड और जी कोड के माध्यम से लोग अन्य समस्याओं जैसे कहीं पानी नहीं आने की समस्या, सड़क पर बिछी शीट उखड़ने की समस्या का भी निराकरण कर रहे हैं।

चौहान ने बताया कि मंगलवार को मकर संक्रांति स्नान पर्व पर चंडीगढ़ से आए मोहित के पिता उनसे बिछड़ गए। बेटे ने पिता से किसी व्यक्ति के माध्यम से पोल संख्या पूछ ली और विभाग से पोल संख्या साझा कर भौगोलिक स्थिति पता करके अपने पिता को ढूंढ लिया। उन्होंने बताया कि विभाग ने ये डेटा डायल 112 और डायल 1920 के साथ भी साझा किए हैं और अन्य समस्याओं के बारे में आई शिकायत संबंधित विभाग के पास भेज दी जाती है और विभाग पोल संख्या की मदद से मौके पर पहुंचकर समस्या का निराकरण कर रहे हैं।

बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता (कुंभ) मनोज गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) की मदद से इस क्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी व्यक्ति अपनी या दूसरों की भौगोलिक स्थिति का पता लगा सकता है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्रथम अमृत स्नान पर्व पर 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसमें हजारों लोग बिछड़े और फिर मिले होंगे। कितने लोग अपनों से बिछड़े और मिले, इसकी संख्या हमारे पास नहीं है क्योंकि कई लोगों ने क्यूआर कोड के नीचे लिखे जी-कोड को गूगल पर सर्च कर भौगोलिक स्थिति का पता लगा लिया होगा।

मौनी अमावस्या पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ में 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान की संभावना के मद्देनजर अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए हैं। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीते तीन दिनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के दो प्रमुख स्नान पर्वों पर छह करोड़ से अधिक लोगों ने त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। बयान के मुताबिक, आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे के साथ संवाद बनाकर महाकुंभ विशेष ट्रेनों का समयबद्ध आवागमन सुनिश्चित कराया जाए। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की भी जरुरत बताई और साथ ही बसों, शटल बसों और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन लगातार कराए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई की जाए, घाटों पर आवश्यक अवरोधक लगाए जाएं और सभी सेक्टरों में 24 घंटे और सातों दिन बिजली तथा पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव (गृह व सूचना), प्रमुख सचिव (नगर विकास), चेयरमैन पॉवर कॉर्पोरेशन और निदेशक सूचना सहित अनेक अधिकारी मौजूद थे।

लॉरेन पॉवेल ने महाकुंभ में गुरु से दीक्षा ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में आकर सुर्खियों में छाईं एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने अपने गुरु और पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि से मंगलवार को दीक्षा ले ली। स्वामी कैलाशानंद गिरि के मीडिया सलाहकार शगुन त्यागी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लॉरेन पॉवेल जॉब्स को कल रात्रि में दीक्षा दी गई। गुरु जी ने लॉरेन पॉवेल को काली का बीज मंत्र दिया। दीक्षा में पॉवेल ने गुरु जी को दक्षिणा में जो भी दिया वह गुप्त है। उन्होंने बताया कि स्वामी जी के शिविर में आयोजित दीक्षा समारोह में गुरु जी के निजी सचिव अवंतिकानंद जी और लॉरेन पॉवेल जॉब्स के सचिव पीटर मौजूद थे। पॉवेल ने इस शिविर में तीन दिनों तक प्रवास किया। लॉरेन पॉवेल को गुरु ने कमला नाम दिया है। बुधवार को अमृत स्नान करने संगम घाट पर पहुंचे निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद ने बताया था कि, सोमवार को भीड़ में रहने के कारण कमला को कुछ दिक्कत आई थी, इसलिए वह शिविर में ही रहीं। वह बहुत सहज और सरल हैं और सनातन धर्म को जानना चाहती हैं। वह गुरु के बारे में जानना चाहती हैं, उनके हजारों सवाल हैं जिसका उत्तर हमें देना होता है।

उनके सभी प्रश्न सनातन से जुड़े हैं। उल्लेखनीय है कि लॉरेन पॉवेल बुधवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान में शामिल नहीं हुई थी। एप्पल के सह संस्थापक स्टीव जॉब्स की कंपनी ने पर्सनल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में क्रांति लाने का काम किया। उनके नेतृत्व में एप्पल दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक कंपनी बनी। स्टीव जॉब्स का वर्ष 2011 में निधन हो गया था।

संतों ने महाकुंभ की अभूतपूर्व व्यवस्था के लिए सरकार की सराहना की

महाकुंभ नगर। प्रयागराज महाकुंभ में मकर संक्रांति पर्व पर सभी संतजनों ने 'अमृत स्नान' किया और अभूतपूर्व व्यवस्था के लिए सरकार की सराहना की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, सभी संतजनों ने 144 वर्ष पश्चात पड़े इस सुखद संयोग में स्नान कर स्वच्छ, सुरक्षित, दिव्य-भव्य महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा की। इसमें कहा गया है कि इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने, अद्भुत व्यवस्था पर साधु-संतों ने सरकार के प्रति आभार भी जताया। बयान के अनुसार, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा महाकुंभ के लिए सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं उल्लेखनीय हैं। मैं इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद आयोजन के सुव्यवस्थित प्रबंधन से बेहद प्रसन्न हूं। सरकार इस प्रयास के लिए प्रशंसा की पात्र है। ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन आश्रम के स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा, यह समस्त सनातन धर्म का उत्सव है, अमरता और शाश्वत सत्य का उत्सव है। खचाखच भरे घाटों के साथ, महाकुंभ विविधता में एकता का प्रतीक है। लाखों लोग आए हैं, और प्रतिदिन लाखों लोग आ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा, 1982 से कुंभ में आ रही हूं। कई महाकुंभ व अर्धमहाकुंभ किए हैं, लेकिन प्रयागराज महाकुंभ की अनुभूति अलग ही है। उन्होंने कहा,मां गंगा की गोद में यह पूरा नया शहर-क्षेत्र बसाया जाता है। 144 वर्ष बाद महाकुंभ का सुयोग बना है। हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि इस महाकुंभ में स्नान करके आए हैं।

कड़ाके की ठंड के बीच श्रद्धालुओं ने लगाई संगम में डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर । कड़ाके की ठंड के बावजूद जोश और उत्साह से लबरेज श्रद्धालुओं ने बुधवार को महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाई। 'हर हर महादेव', 'जय श्री राम' और 'जय गंगा मैया' के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालुओं ने संगम पर स्नान किया। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के निवासी 62 वर्षीय निबर चौधरी ने कहा, ''मैंने पहली बार संगम में डुबकी लगाई है। डुबकी लगाने के बाद वास्तव में एक दम तरोताजा महसूस हुआ।'' चौधरी के साथ आए शिवराम वर्मा ने कहा कि उनका अनुभव अच्छा रहा और यहां प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था की है। पहली बार यहां आईं लखनऊ निवासी नैंसी भी यहां की व्यवस्था को देखकर संतुष्ट नजर आईं। उन्होंने कहा, ''महाकुम्भ में अब तक मेरा अनुभव अच्छा रहा है।'' पड़ोसी जिले फतेहपुर के निवासी अभिषेक ने कहा, ''कुल मिलाकर अनुभव अच्छा रहा''। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। कानपुर निवासी विजय कठेरिया ने महाकुम्भ में किए गए सुरक्षा इंतजाम की सराहना की।

उन्होंने कहा, ''श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है।' बुधवार को कोई स्नान पर्व नहीं रहने के बावजूद देश और विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ में शामिल होने के लिए संगम के पास एकत्रित होकर स्नान कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को विभिन्न अखाड़ों के संतों ने मकर संक्रांति के अवसर पर महाकुम्भ में पहला अमृत स्नान किया। मकर संक्रांति पर त्रिवेणी संगम में करीब 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भालेबाजी और तलवारबाजी से लेकर पूरे जोश में 'डमरू' बजाने तक, उनके प्रदर्शन सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत उदाहरण थे। पुरुष नागा साधुओं के अलावा, महिला नागा संन्यासी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। बुधवार को घाट पर मौजूद कौशांबी के निवास महेश पासी ने अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ गंगा में डुबकी लगाई।

महेश ने कहा कि उनके परिवार ने मौसम अधिक ठंडा होने के कारण मकर संक्रांति के बाद यहां आने का फैसला किया।महेश ने कहा कि उनके परिवार में बच्चे पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति पर संगम में डुबकी लगाना चाहते थे, लेकिन बुजुर्गों ने सलाह दी कि इतनी ठंड में वहां रहने से बच्चे बीमार पड़ सकते हैं और भारी भीड़ में वे बिछड़ सकते हैं, इसलिए यह निर्णय किया गया कि मकर संक्रांति के बाद महाकुम्भ में चला जाए।

21 अंतर्राष्ट्रीय मेहमान संगम में आज लगाएंगे पवित्र डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर्। योगी सरकार द्वारा भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन अब पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को 10 देशों का 21 सदस्यीय दल संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सटर्नल पब्लिसिटी एंड पब्लिक डिप्लोमेसी डिवीजन द्वारा आमंत्रित 10 देशों का 21 सदस्यीय दल बुधवार को पहुंच रहा है। इस दल के आवास की व्यवस्था अरैल क्षेत्र स्थित टेंट सिटी में की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने निर्मित किया है। बुधवार को दल के महाकुंभ मेला क्षेत्र में भ्रमण का कार्यक्रम है। शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया है, जिसमें दल के सदस्य प्रयागराज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनुभव करेंगे।

रात में टेंट सिटी में रात्रि भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। अंतर्राष्ट्रीय दल गुरुवार को सुबह 8:00 बजे त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। इसके बाद नाश्ते के बाद 9:30 बजे दल के सदस्यों को हेलीकॉप्टर से महाकुंभ क्षेत्र का हवाई अनुभव कराया जाएगा। भ्रमण कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे समाप्त होगा और दल एयरपोर्ट के लिए रवाना होगा। इस अंतर्राष्ट्रीय दल में फिजी, फिनलैंड, गयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

बता दें कि महाकुंभ अब सिर्फ भारतीय आयोजन नहीं रहा, यह एक वैश्विक पर्व बन गया है। तीर्थराज प्रयागराज में सोमवार से महाकुंभ का भव्य शुभारंभ हो चुका है। ब्राजील, जर्मनी, जापान, इंग्लैंड, अमेरिका और स्पेन जैसे देशों के श्रद्धालु भी प्रयागराज पहुंच रहे हैं। यह आयोजन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव को दिखा रहा है। खास बात यह है कि पाकिस्तान और अरब समेत इस्लामिक देश भी महाकुंभ में रुचि दिखा रहे हैं। गूगल ट्रेंड्स के अनुसार, इस्लामिक देशों में योगी सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे महाकुंभ के आयोजन को खूब सर्च किया जा रहा है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद की नवगठित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। केयरटेकर कमेटी के सदस्य सुशील चोरडिया, सूरज चिडालिया और विकास लोढ़ा ने नवमनोनीत अध्यक्ष संजय बैद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली अणुव्रत समिति की ओर से प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर का विमोचन शांतिनिकेतन स्कूल में हुआ। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र पालगोता,शांतिनिकेतन स्कूल के चेयरमैन भवरलाल जैन, निदेशक प्रवेश कोठारी, तेरापंथ समाज हुब्बल्ली से उमरासिंह बैद, समिति के मंत्री विकास वेदमुथा, विनोद वेदमुथा, विकास बोहरा,स्कूल की प्रिंसीपल डा. कैथरिन दिनेश सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे।

नवनिर्मित गौपालक सदन के उद्घाटन पर सहयोगियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय पिंजरापोल सोसायटी के तत्वावधान में साध्वी मणिप्रभाश्री के सान्निध्य में परिसर में नवनिर्मित गौपालक सदन का विधिवत्त उद्धाटन किया गया। साध्वी ने प्रवचन के माध्यम से गाय की महता बताई। सोसाइटी के सचिव विनोद खाबिया ने बताया कि इस नवनिर्मित सदन के निर्माण में विभिन्न संघ-संस्थाओं व दानदाताओं का सहयोग से 22 कॉटेज बनाए गए है।

लाभार्थी गवरीदेवी राजपुरोहित ने कहा कि बारिश, सर्दी हो या गर्मी गोपालक सोसाइटी परिसर में संरक्षित गायों की निरंतर सेवा करते आ रहे हैं । सोसायटी के पदाधिकारियों की ओर से सदन निर्माण के सभी दानदाताओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर पिंजरापोल सोसायटी के अध्यक्ष सुमतिलाल पगारिया, उपाध्यक्ष प्यारेलाल जैन, सचिव विनोद खाबिया, कोषाध्यक्ष अशोक धोका, भामाशाह महेंद्रसिंह राजपुरोहित, कांतिलाल चौहान, बुधमल बाघमार, विनोद बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे।

टीम अमरदीप शटलर्स ने जीता ओसवाल बेडमिंटन कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। काँठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित बेडमिंटन प्रतियोगिता में टीम अमरदीप शटलर्स ने टीम कारवान स्मैशर्स को हराकर ओसवाल कप अपने नाम किया। कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में 310 मैच की कड़ी स्पर्धा के बाद विजेता का निर्णय हुआ। प्रतियोगिता के 245 लीग व क्वाटर फाइनल मुकाबलों से गांधी गेमर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, कारवान स्मेशर्स व अमरदीप शटलर्स ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। अमरदीप ने गांधी गेमर्स को तथा कारवान ने प्राचीन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैदराबाद के प्रसिद्ध व्यवसायी मोतीलाल भलगट ने कांठा प्रांत ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल समाज के युवाओं की खेल प्रतिभा निखार आता है साथ समाज में एक जुटता का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्य प्रायोजक श्रीपाल खिवेंसरा ने मुख्य प्रायोजन का अवसर उनके परिवार को देने के लिये ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। विशेष अतिथि के रूप में बोलते हुए हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी ने कहा कि युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शन का यह उचित मंच है जहां आपसी नेटवर्किंग बढ़ाने का भी समान अवसर मिलता है। केपीबीएल संयोजक रमेश गुगलिया एवं सह संयोजक विमल गांधी ने विभिन्न प्रायोजकों की जानकारी दी। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्राफी के साथ नगद पुरस्कार भी दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तेलंगाना राज्यों के कांठा प्रांतीय सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही।

सैंकड़ों ज्ञानार्थियों ने ज्ञानशाला की परीक्षा में लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में शहर के 18 केंद्रों पर ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के अंतर्गत ज्ञानशाला शिशु संस्कार की परीक्षाएं सम्पन्न हुई। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, विजयनगर के सभाध्यक्ष मंगल कोचर, राजाजीनगर के सभाध्यक्ष अशोक चौधरी, यशवंतपुर सभा के अध्यक्ष सुरेश बरडिया सहित अनेक सभाओं के पदधिकारियों की उपस्थिति में ज्ञानशाला परीक्षाओं का आयोजन हुआ। इस परीक्षा आयोजन में ज्ञानशाला की मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना, क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया का अथक श्रम रहा।

बेंगलूरु क्षेत्र के कुल 669 ज्ञानार्थियों ने परीक्षाएं दी और कुल 130 प्रशिक्षिकाओं ने निस्वार्थ भाव से सेवाएं प्रदान की। परीक्षा को सुचारु रूप से चलने के लिए चारों जोन संयोजिकाएं एवं सहसंयोजिकाएं का सहयोग रहा। सभी प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया, ज्ञानार्थियों को पारितोषिक एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

परीक्षा नियोजन एवं क्रियान्वन संबंधित कार्यों में आंचलिक संयोजक माणक संचेती एवं आंचलिक सहसंयोजक रजत बैद का पूर्ण श्रम और सहयोग तेरापंथ सभा और ज्ञानशाला को प्राप्त हुआ। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ध्वजारोहण

बेंगलूरु के ऑसबन रोड स्थित चन्द्रप्रभस्वामी जिनालय की 14वीं वर्षगांठ आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर कायमी ध्वजा के लाभार्थी इन्दरचन्द रमेशचन्द मंगलचन्द बोहरा परिवार ने मंदिर के शिखर पर पूरे विधिविधान व मंत्रोच्चार के साथ 15वां ध्वजारोहण किया गया।आचार्यश्री ने ध्वजारोहण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। संघ के इन्दरचन्द बोहरा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट की गई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने केंगेरी स्थित गुरुकुल विद्यापीठ में निवासित 88 निराश्रितों को हनुमानमल, संजय, मनोज बैद परिवार के सहयोग से मध्याह्न भोजन करवाया। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, सहयोगी संजय बैद, मंत्री सुपार्श पटावरी, सेवा कार्य सहप्रभारी पंकज बैद, निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़ आदि ने मानवसेवा कार्य में सहयोग किया।

मुनिश्री मोहजीतकुमार ने परिवार के हर सदस्य को अच्छा श्रावक बनने की प्रेरणा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने केंगेरी से विहार कर आरआर नगर तेरापंथ भवन में प्रवेश किया। इस मौके पर मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने स्वास्थ्य लाभ हेतु विराजित साध्वीश्री संपूर्णयशाजी के दर्शन किए। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने मुनियों का स्वागत करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित की।मुनिश्री भव्यकुमारजी ने कहा कि आप सभी उपस्थित जनों को स्वयं के साथ साथ अपने परिवारों को भी धर्मसंघ की गतिविधियों से जोड़ना है। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने राजराजेश्वरीनगर के श्रावक समाज से आह्वान किया कि परिवार का हर सदस्य एक अच्छा श्रावक बनें। युवापीढ़ी बड़े-बुजुर्गों की यथोचित सेवा करें एवं बच्चे भी ज्ञानार्जन के साथ संस्कारी बने।

विहार में राजाराजेश्वरी नगर, विजयनगर, टी. दासरहल्ली के युवक उपस्थित रहे। स्वागत के क्रम में तेयुप के अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, महिला मंडल अध्यक्षसुमन पटावरी एवं विजयनगर के सभाध्यक्ष मंगल कोचर ने अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया। महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

दिल्ली में पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी पहली बार अपना वोट डालेंगे

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की पुनर्वास बस्ती मजनू का टीला इलाके के पास संकरी गलियों और अस्थायी घरों में रहने वाले पाकिस्तानी शरणार्थी इस देश में गर्व और कृतज्ञता के भाव के साथ पहली बार अपना वोट डालने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे वे अब अपना घर कहते हैं। पाकिस्तान में उत्पीड़न से बचने के लिए भागकर आए ये पुरुष और महिलाएं भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से उत्साहित हैं। उन्हें इस अधिकार की लंबे समय से ख्वाहिश थी।

उनके लिए दिल्ली विधानसभा का यह चुनाव सिर्फ वोट देने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भारतीय नागरिक के रूप में उनकी पहचान का प्रतीकात्मक दावा भी है। 2013 से दिल्ली में बसे इन परिवारों में से कई अब सम्मानजनक जीवन और राजनीतिक भागीदारी के अपने सपने को साकार होते देख रहे हैं। बस्ती के बाहर मोबाइल कवर की छोटी सी दुकान चलाने वाले सतराम (22) ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं 2013 से यहां रह रहा हूं और चुनाव में वोट दूंगा।

राजस्थान परिषद की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

संजय बैद ने संभाला अध्यक्ष पद और रजत बैद बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद की नवगठित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। केयरटेकर कमेटी के सदस्य सुशील चोरडिया, सूरज चिंडालिया और विकास लोढ़ा ने नवमनोनीत अध्यक्ष संजय बैद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। संजय बैद ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष आलोक सेठिया, पन्नालाल लुनिया, विक्रम श्रीमाल, मंत्री रजत बैद, सहमंत्री ऋषभ बरडिया, तरुण पटावरी, संगठन मंत्री राजेश छाजेड़, कोषाध्यक्ष पंकज बैद सहित परामर्शक मंडल एवं कार्यसमिति सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। साथ ही शिक्षा चिकित्सा संपोषण समिति का दायित्व सुनील सुराणा, सांस्कृतिक कार्यक्रम का दायित्व राकेश छाजेड़, मीडिया संबंधी दायित्व दिनेश मरोठी व खेलकूद कमेटी का दायित्व सूरज चिंडालिया और डायरेक्टरी का दायित्व सुशील चोरड़िया को सौंपा गया।

इस मौके पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नवमनोनीत अध्यक्ष संजय बैद ने सभी के सहयोग की कामना की एवं परिषद् की गरिमा की अभिवृद्धि का प्रण लिया। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने नव मनोनीत टीम को प्रेरणा देते हुए कहा कि कि शपथ पत्र में उल्लेखित सूत्रों के अनुसार अगर संस्थागत कार्य करे तो कोई भी संस्था शिखर का आरोहण कर सकती है।

मुनिश्री ने सभी को नशामुक्त रहने की भी प्रेरणा प्रदान की। मुनिश्री भव्यकुमारजी ने गीतिका व जयेशकुमारजी ने एक कथानक के माध्यम से सामंजस्यता और आपसी सौहार्द का मंत्र कार्यकारिणी को प्रदान किया। कार्यक्रम में जीतो नॉर्थ विंग के अध्यक्ष विमल कटारिया, अर्हम् मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, विजयनगर परिषद अध्यक्ष मनोज बैद, पूर्व अध्यक्ष बालचंद चंडालिया ने अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन सुशील चोरडिया ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने आयोजित की कायोत्सर्ग कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फ़ाउंडेशन द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल,गांधीनगर द्वारा आयोजित शांति और शक्ति की ओर कायोत्सर्ग कार्यशाला आयोजित की गई है। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका पुष्पा चोरडिया ने कायोत्सर्ग का महत्त्व बताते हुए कार्यात्सर्ग से होने वाले फायदे बताएं।

उन्होंने कहा कि तनाव से जो हमारी नाड़ियाँ तन जाते हैं कायोत्सर्ग से वह शीतल हो जाती है। ध्यान का अंतिम बिंदु व प्रथम बिंदु दोनों ही कायोत्सर्ग है। कार्यात्सर्ग से शिथिलता से सोचना कम हो जाता है, जिससे भाव कम आते हैं और कर्म का आगमन कम होता है।अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परामर्शिका लता जैन ने आंधे घंटे का कायोत्सर्ग अभ्यास कराया। इस मौके पर मंत्री ज्योति संचेती, सहमंत्री प्रमिला धोका एवं अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं । करुणा संचेती ने आभार व्यक्त किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान : राजस्थान के सरदारशहर मूल के शैलेन्द्र भोजक को राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दराम्मैया ने प्रेस क्लब द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में 'प्रेस क्लब अवार्ड 2024 फॉर एक्सिलेन्स इन फोटोजर्नलिज्म' अवार्ड से सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि शैलेन्द्र गत 22 वर्षों से प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया में चीफ फ़ोटो जर्नलिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं एवं पिछले 15 वर्षो से बेंगलूरु प्रेस क्लब में सक्रिय रूप में जुड़े हुऐ हैं। इस मौके पर राज्य के कैबिनेट मंत्री केजे जॉर्ज, केएच मुनियप्पा एवं एमबी पाटिल भी उपस्थित थे।

जीतो मैसूरु ने लॉंच किया जेबीएन महाराजा रेफरल ग्रुप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो मैसूरु चैप्टर ने जीतो बिजनेस नेटवर्किंग पहल के तहत मैसूर में जेबीएन मैसूर महाराजा रेफरल ग्रुप लॉन्च किया। जेबीएन अपने सदस्यों के आर्थिक विकास को सशक्त बनाने के लिए जीतो की एक पहल है। रेफरल ग्रुप का यह समूह नियमित रूप से व्यापार और रेफरल का आदान प्रदान करने के लिए परस्पर मिलता है जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलता है। जेबीएन महाराजा के लिए टीम लीडर और जेबीएन संयोजक महावीर जैन गादिया ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि यह रेफरल ग्रुप उनके व्यापार को मैसूर की सीमाओं से परे बढ़ने में मदद करेगा। इस मौके पर जीतो मैसूरु के अध्यक्ष विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत किया। जेबीएन महाराजा के टीम सदस्य पुनीत जुगराज, सचिन मेहता और मनीष शाह सहित जीतो मैसूर चैप्टर फाउंडेशन की प्रबंध समिति और सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com